SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 231 | गुवाहाटी | सोमवार, 24 मार्च, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

आरएसएस ने संगठित हिंदू समाज के निर्माण का लिया संकल्प पेज 2
राजस्व-आपदा प्रबंधन मंत्री केशव महंत राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण... पेज 3
महाराणा सांगा पर दिए बयान को लेकर देश से माफी मांगें सपा सांसद : शेखावत पेज 5
आरोन फिंच ने कहा, कोहली हैं ना, इसलिए आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं रोहित पेज 7

सीएम का चार दिवसीय ऊपरी असम दौरा महत्वपूर्ण निर्णयों के साथ संपन्न

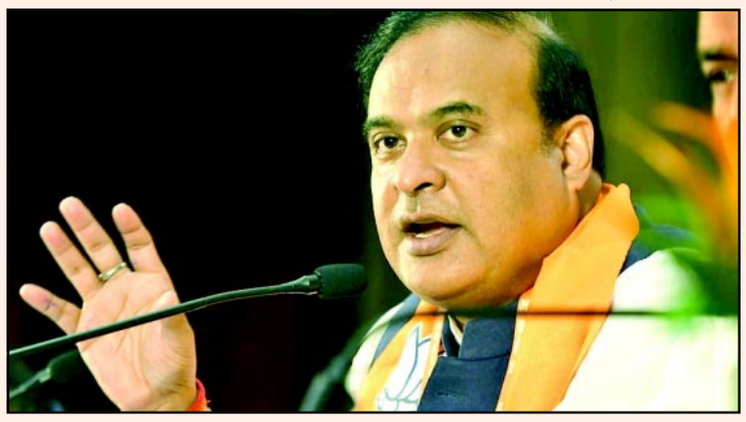

डिब्रूगढ़। माननीय मुख्यमंत्री का 20 से 23 मार्च 2025 तक मुख्यमंत्री सचिवालय, डिब्रूगढ़ का दौरा ऊपरी असम में शासन को मजबूत करने और विकास को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। चार दिनों के दौरान, मुख्यमंत्री ने महत्वपूर्ण बैठकों, नीतिगत निर्णयों और सार्वजनिक बातचीत में भाग लिया, जिससे क्षेत्रीय चिंताओं को दूर करने और प्रभावी प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को बल मिला। अपने दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने डिब्रूगढ़, तिनसुकिया, लखीमपुर, धेमाजी और चराइदेउ के 60 संगठनों और 135 व्यक्तियों से मुलाकात की, उनकी चिंताओं को सुना और लोगों के साथ सीधा संवाद सुनिश्चित किया। इन नियुक्तियों से क्षेत्र को प्रभावित करने वाले विभिन्न मुद्दों पर तेजी से निर्णय लेने और समाधान करने में मदद मिली। इस यात्रा का एक महत्वपूर्ण आकर्षण 20 मार्च 2025 को मुख्यमंत्री सचिवालय, डिब्रूगढ़ में आयोजित 155वीं कैबिनेट बैठक थी। कैबिनेट ने 32 एजेंडा मदों पर विचार-विमर्श किया, जिससे कई महत्वपूर्ण स्वीकृतियां प्राप्त हुई। कुछ उल्लेखनीय निर्णयों में 29 अगस्त 2025 को स्वर्गीय गोलाप बोरबोरा की जन्म शताब्दी का राज्य स्तरीय समारोह, एएनएम और स्टाफ नर्स भर्ती परीक्षाओं में अधिक आयु वाले उम्मीदवारों को छूट, ग्वालपाड़ा सिविल अस्पताल का नाम बदलकर शहीद निधानु राम राजबोंगशी सिविल अस्पताल करना और धेमाजी जिले में सिमेन-सिसिटोंगनी विकास खंड का निर्माण शामिल है। कैबिनेट ने 31 मार्च 2025 से सभी गांव पंचायतों, वीसीडीसी और शहरी स्थानीय निकायों में स्वास्थ्य और कल्याण शिविरों और नाबार्ड के तहत 262.20 करोड़ के आवंटन के साथ 12 जिलों में 207 चाय बागान सड़कों के सुधार जैसी महत्वपूर्ण पहलों को भी मंजूरी दी। कैबिनेट बैठक के अलावा, मुख्यमंत्री ने कई उच्च स्तरीय समीक्षा -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने की एएमसीएच के विकास परियोजना की समीक्षा बैठक

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को डिब्रूगढ़ स्थित मुख्यमंत्री सचिवालय में लोक निर्माण (भवन) विभाग एवं मेडिकल कॉलेज प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक कर असम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एएमसीएच) के प्रस्तावित आवासीय कॉलोनी परियोजना की समीक्षा की। यह परियोजना 300 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से विकसित की जाएगी। बैठक में मुख्यमंत्री ने एएमसीएच परिसर की समग्र स्थिति का आकलन करते हुए प्रस्तावित आवासीय कॉलोनी की वास्तु योजना की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि नए आवासीय भवनों में आधुनिक सुविधाएं अनिवार्य रूप से शामिल की जानी चाहिए। -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

जो गलतियां नहीं करता, वह प्राय कुछ नहीं कर पाता।

-ए. जे. फेलप्स

न्यूज गैलरी

इजराइल-हमास युद्ध में मृतकों की संख्या 50 हजार के पार

गाजा पट्टी। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि इजराइल-हमास युद्ध में 50,000 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं। मंत्रालय ने बताया कि युद्ध में अब तक 1,13,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। रविवार को साझा की गई इस जानकारी में वे 673 मृतक भी शामिल हैं, जो पिछले सप्ताह युद्ध -शेष पृष्ठ दो पर

छह दिनों बाद नागपुर के सभी इलाकों से हटाया गया कर्फ्यू

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर शहर में हिंसा के छह दिन बाद, रविवार को शेष चार इलाकों से भी कर्फ्यू हटा लिया गया। 17 मार्च को हुई हिंसा के बाद नागपुर के कोतवाली, गणेशपेठ, तहसील, लकड़गंज, पांचपावली, शांति नगर, सक्करदरा, नंदनवन, इमामबाड़ा, यशोधरा नगर और कपिल नगर थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू लगाया गया था। हिंसा सोमवार रात नागपुर -शेष पृष्ठ दो पर

गुवाहाटी में पहली बार होगा टेस्ट और वर्ल्ड कप मैच

गुवाहाटी (हि.स.)। इस वर्ष नॉर्थ ईस्ट में पहली बार क्रिकेट इतिहास रचने जा रहा है। यह पहली बार होगा जब यह शहर टेस्ट क्रिकेट और वर्ल्ड कप मुकाबले की मेजबानी करेगा। बीसीसीआई के महासचिव देवजीत सैकिया ने रविवार को यह घोषणा की। सैकिया के अनुसार, भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला 22 नवंबर से असम क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) स्टेडियम में खेला जाएगा। इससे गुवाहाटी को पहली बार टेस्ट क्रिकेट की मेजबानी करने का गौरव मिलेगा। इसके अलावा, गुवाहाटी में पहली बार आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप के मुकाबले भी होंगे। यह टूर्नामेंट 24 सितंबर से 2 नवंबर तक खेला जाएगा। गुवाहाटी को इसके लिए एक प्रमुख स्थल के रूप में चुना गया है, जहां पांच से छह मैच खेले जाएंगे। यह पहली बार होगा जब नॉर्थईस्ट में वर्ल्ड कप क्रिकेट मैच आयोजित होंगे। सैकिया ने बताया कि बीसीसीआई की एपेक्स काउंसिल की बैठक में शनिवार को यह महत्वपूर्ण फैसला लिया गया। उन्होंने आईसीसी चेयरमैन जय शाह और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को धन्यवाद् दिया, जिनकी मदद से गुवाहाटी एक प्रमुख क्रिकेट स्थल के रूप में उभरा है।

कांग्रेस ने सरकार को दी धमकी, कहा-

5 अप्रैल तक पंचायत चुनाव की तारीखों की घोषणा नहीं हुई तो करेंगे कानूनी कार्रवाई

गुवाहाटी। राज्य कांग्रेस ने धमकी दी है कि अगर सरकार 5 अप्रैल तक पंचायत चुनाव की तारीखों की घोषणा करने में विफल रहती है तो वह उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी। पार्टी ने जोर देकर कहा कि कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को 5 अप्रैल तक चुनाव की तारीख घोषित करनी चाहिए। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के प्रमुख भूपेन बोरा ने इस देरी को *लोकतांत्रिक मानदंडों का स्पष्ट उल्लंघन* बताते हुए रविवार को कहा कि अगर मुख्यमंत्री 5 अप्रैल से पहले तारीखों की घोषणा नहीं करते हैं, तो हम उच्च न्यायालय का रुख करेंगे। हम इसके लिए पहले से ही तैयार हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या पार्टी चुनावों से पहले एकजुट विपक्षी मोर्चा पेश करने की दिशा में काम कर रही है, तो बोरा ने आगामी पंचायत चुनावों के बारे में विपक्ष की ओर से संवाद की कमी पर असंतोष व्यक्त किया। बोरा ने कहा कि विपक्षी दल ने हमें सूचित नहीं किया कि वे चुनाव लड़ने का इरादा रखते हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

सुशांत सिंह राजपूत से जुड़े मामले सीबीआई ने किए बंद

नई दिल्ली। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के करीब पांच साल बाद सीबीआई ने उनसे जुड़े दो मामले बंद कर दिए हैं। सीबीआई ने रविवार को अभिनेता से जुड़े मामलों में अलग-अलग क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की। एक मामला उनके पिता द्वारा दर्ज आत्महत्या के लिए उकसाने से जुड़ा है और दूसरा मामला अभिनेता की गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती से जुड़ा है, -शेष पृष्ठ दो पर

पेपर लीक मामला : छात्र संगठनों ने शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगा

गुवाहाटी। असम में 11वीं कक्षा की सभी परीक्षाएं रद्द कर दी गई है। ये फैसला विभिन्न स्थानों पर प्रश्नपत्र लीक होने की खबरें आने के बाद लिया गया है। राज्य के शिक्षा मंत्री रनोज पेगु ने इस बात की जानकारी दी। बता दें, राज्य बोर्ड की 11वीं कक्षा की परीक्षाएं 6 से शुरू हुई थी और 29 मार्च तक होने वाली थी। राज्य के छात्र संगठनों नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई), स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई), सत्र मुक्ति संग्राम समिति (एसएमएसएस) और ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) ने मामले की उचित जांच की मांग की है। इसी के साथ राज्य के छात्र संगठनों ने असम सरकार की आलोचना करते हुए असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगु के इस्तीफे और राज्य बोर्ड के प्रमुख आरसी जैन को निलंबित करने की मांग भी की है। इससे पहले, असम राज्य स्कूल शिक्षा बोर्ड (एएसएसईबी) की 21 मार्च -शेष पृष्ठ दो पर

संविधान और बातचीत से मिलेगा मणिपुर समस्या का हल : न्यायाधीश गवई

इंफाल। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीआर गवई ने रविवार को मणिपुर हिंसा का समाधान खोजने की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मणिपुर राज्य में हो रही समस्याओं का समाधान संवैधानिक तरीकों से किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि अगर बातचीत की जाए तो समाधान जल्दी मिल सकता है। बता दें कि इन दिनों सुप्रीम कोर्ट क पांच न्यायाधीशों का प्रतिनिधिमंडल मणिपुर के दो दिवसिय दौरे पर है। इसी दौरान न्यायमूर्ति गवई ने ये बातें कही। न्यायमूर्ति गवई ने मणिपुर उच्च न्यायालय की स्थापना की -शेष पृष्ठ दो पर

माटिया ट्रांजिट कैंप से 13 बांग्लादेशियों को भेजा गया वापस, सरकार ने एससी को बताया

गुवाहाटी। राज्य सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय को सूचित किया है कि ग्वालपाड़ा के माटिया ट्रांजिट कैंप में हिरासत में लिए गए 63 बांग्लादेशी नागरिकों में से 13 को निर्वासित कर दिया गया है। एक न्यायिक समाचार वेबसाइट ने रविवार को बताया कि न्यायमूर्ति अभय ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने विदेशी नागरिकों की हिरासत और निर्वासन से संबंधित एक मामले में प्रस्तुत हलफनामे के आधार पर शुक्रवार को राज्य सरकार का बयान दर्ज किया। राज्य के हलफनामे के अनुसार, अधिकांश बंदियों के सत्यापन फार्म 14 फरवरी को विदेश मंत्रालय को भेज दिए गए थे, तथा उसी दिन अनुस्मारक भी जारी कर दिए गए थे। हलफनामे के साथ संलग्न आधिकारिक हस्तांतरण दस्तावेज के माध्यम से 13 व्यक्तियों के निर्वासन की पुष्टि की गई। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि शेष बंदियों के सत्यापन की प्रक्रिया बांग्लादेश उच्चायोग के समन्वय से चल रही है। इसके बाद, सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को 30 अप्रैल तक एक और हलफनामा प्रस्तुत करने का निर्देश -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में 4.47 लाख परिवारों ने सरकारी जमीन पर अवैध रूप से घर बनाया : सूत्र

गुवाहाटी। राज्य में 4.47 लाख से ज़्यादा परिवारों ने सरकारी जमीन पर अवैध रूप से घर बना लिए हैं। इन परिवारों को सरकारी जमीन से बेदखल करना अब सरकार के लिए बड़ी चुनौती है। सूत्रों के अनुसार सरकारी भूमि पर अनियंत्रित अतिक्रमण के कारण सार्वजनिक और पारिस्थितिकी संतुलन के हित में आरक्षित भूमि कम हो गई है। सरकारी भूमि पर मकान बनाने वाले अधिकांश अतिक्रमणकारियों के पास राज्य में अन्यत्र भूमि है। बेशक, उनमें से एक वर्ग वे लोग हैं जो कटाव और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण भूमिहीन हो गए हैं। इन अतिक्रमणकारियों में राजनेता, व्यवसायी, -शेष पृष्ठ दो पर

इंडिया ब्लॉक में मनमुटाव पर सिब्बल ने दी नसीहत, कहा-

एकजुट होकर मजबूती से सामने आएं विपक्षी

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने विपक्षी गठबंधन *इंडिया ब्लॉक* में बढ़ते मनमुटाव और आपसी विवाद के कारणों के बारे में कई महत्वपूर्ण बातें कही। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों को एकजुट होकर एक मजबूत और संगठित रूप में सामने आना चाहिए, ताकि उनका प्रभावी रूप से प्रतिनिधित्व हो सके। सिब्बल ने यह भी कहा कि इंडिया को एक ब्लॉक के रूप में दिखाई देना चाहिए, न कि एक अलग-अलग खेमे के रूप में, जैसा कि बीते कई विधानसभा चुनावों में देखने को मिला है। सिब्बल ने कहा कि इंडिया ब्लॉक के दलों को एक सुसंगत नीति, वैचारिक रूपरेखा और कार्यक्रम की जरूरत है, ताकि विपक्षी एकता मजबूत हो और वह आने वाले चुनावों में भाजपा के खिलाफ बेहतर तरीके से मुकाबला कर सकें। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि विपक्षी दलों के लिए एक औपचारिक ढांचा होना चाहिए, जिसमें प्रवक्ताओं को सामने लाया जाए, जो उनके विचारों का सही तरीके से प्रतिनिधित्व करें। बता दें कि बीते कई विधानसभा चुनाव में इंडिया ब्लॉक के भीतर मनमुटाव और आपसी विवाद देखे गए हैं। ये विवाद खासकर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच देखा गया। -शेष पृष्ठ दो पर

परिसीमन पर केंद्र को चौतरफा घेरने की तैयारी

चेन्नई के बाद अब हैदराबाद में होगी मीटिंग

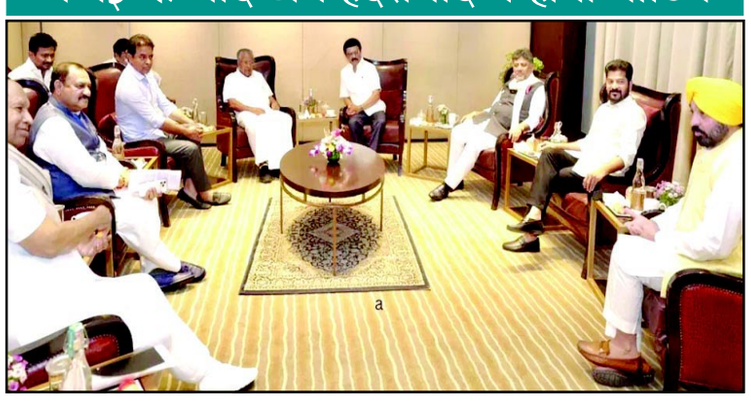

नई दिल्ली। लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के नेतृत्व में गठित संयुक्त समिति ने केंद्र सरकार को चौतरफा घेरने की तैयारी कर रही है। शनिवार को चेन्नई की बैठक में परिसीमन को 25 सालों तक टालने और संविधान में संशोधन की मांग की गई थी। अब संयुक्त समिति की अगली बैठक अप्रैल में हैदराबाद में करने का निर्णय किया गया है। इस बैठक परिसीमन को लेकर अगली रणनीति पर चर्चा होगी। बता दें कि केंद्र सरकार जनसंख्या आधारित निर्वाचन क्षेत्र पुनर्गठन पर जोर दे रही है, दक्षिणी राज्य इसका कड़ा विरोध कर रहे हैं। विशेष रूप से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस मुद्दे पर कड़ा विरोध किया है और कहा है कि यदि निर्वाचन क्षेत्रों को जनसंख्या के आधार पर पुनः परिभाषित किया गया तो संभावना है कि वर्तमान निर्वाचन क्षेत्रों की तुलना में कम निर्वाचन क्षेत्र होंगे। वर्तमान में तमिलनाडु में 39 संसदीय क्षेत्र हैं। स्टालिन का दावा है कि यदि निर्वाचन क्षेत्र का जनसंख्या के आधार पर पुनर्सीमन किया जाए तो सम्भावना है कि वर्तमान 39 निर्वाचन क्षेत्रों में से 8 से 9 कम हो जाएंगे। इसी प्रकार, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, पंजाब, ओडिशा और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या घट सकती है। इस मामले पर चर्चा करने के लिए 22 मार्च को चेन्नई के गिंडी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, Ph.: 94350-48866, 94018-06952

अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में प्रस्ताव पारित

आरएसएस ने संगठित हिंदू समाज के निर्माण का लिया संकल्प

बंगलूरू। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने रविवार को अपनी सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा (एबीपीएस) में एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया। इस प्रस्ताव में आरएसएस ने दुनिया में शांति और समृद्ध लाने के तर्क पर एक सौहार्दपूर्ण और संगठित हिंदू समाज के निर्माण की बात की। बता दें कि यह प्रस्ताव तीन दिन तक चले कार्यक्रम के समापन पर पेश किया गया। इसमें आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, महासचिव दत्तात्रेय होसबोले, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और भाजपा महासचिव बीएल संतोष सहित आरएसएस से जुड़े 32 संगठनों के प्रमुखों ने भाग लिया। अब बात अगर पारित प्रस्ताव की करें तो, इसमें मुख्य रूप से कहा गया है कि भारत एक प्राचीन और समृद्ध संस्कृति वाला देश है और इसमें एकजुट दुनिया बनाने का अद्भुत ज्ञान है। आरएसएस ने यह भी कहा कि उनका उद्देश्य पूरी मानवता को विभाजन और विनाश की प्रवृत्तियों से बचाना है और सभी जीवों के बीच शांति और एकता की भावना को बढ़ावा देना है। इसके अलावा, आरएसएस ने यह बताया कि हिंदू समाज को अपने वैश्विक उत्तरदायित्व को पूरा करने के लिए संगठित और सामूहिक जीवन की आवश्यकता है, जो *धर्म* पर आधारित आत्मविश्वास से भरा हो। साथ ही प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि सभी प्रकार के भेदभावों को खारिज कर, एकजुट आचरण और पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली को अपनाते हुए हमें एक आदर्श समाज का निर्माण करना चाहिए। यह समाज भौतिक समृद्धि के साथ-साथ आध्यात्मिकता से भी परिपूर्ण होगा, जो समाज की समस्याओं का समाधान करेगा और चुनौतियों को कम करेगा। इसके साथ ही अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा ने सभी स्वयंसेवकों से आग्रह किया कि वे पूरे समाज को सज्जन शक्ति के नेतृत्व में एकजुट कर, दुनिया के सामने एक संगठित और सामंजस्यपूर्ण भारत का आदर्श प्रस्तुत करने के लिए खुद को प्रतिबद्ध करें।

औरंगजेब की कब्र तोड़ने जा रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुंबई। औरंगजेब की कब्र को लेकर घमासान जारी है। रविवार को औरंगजेब की कब्र को तोड़ने जा रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। छत्रपति संभाजी राजे शौर्य प्रतिष्ठान ने औरंगजेब की कब्र उखाड़ने की चेतावनी दी थी। छत्रपति संभाजी नगर पुलिस ने छत्रपति संभाजी राजे शौर्य प्रतिष्ठान के अध्यक्ष को हिरासत में ले लिया। छत्रपति संभाजी राजे शौर्य प्रतिष्ठान के अध्यक्ष बलराजे अवारे पाटिल को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। 23 मार्च यानी आज औरंगजेब के कब्र उखाड़ने की चेतावनी धर्मवीर छत्रपति संभाजी राजे शौर्य प्रतिष्ठान की ओर से दी गई थी। सुबह से ही शहर के क्रांतिचौक परिसर में बड़ी संख्या में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और जवान इन कार्यकर्ताओं का हिरासत में लेने के लिए मौजूद थे। बाद में पुलिस ने उन सभी को गिरफ्तार कर लिया। दूसरी ओर छत्रपति संभाजीनगर से लगभग 30 किलोमीटर दूर खुल्ताबाद में मुगल बादशाह औरंगजेब के मकबरे की सुरक्षा के लिए धातु की चादर लगाने के कुछ दिनों के भीतर, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने अब चादर और मौजूदा संगमरमर की ग्रिल के बीच कांटेदार तार लगा दिए हैं जो तीन सदी से अधिक पुराने मकबरे को दो तरफ से घेरे हुए हैं। तीसरी तरफ एक दीवार है जबकि चौथी तरफ मकबरे में एक छोटा प्रवेश द्वार है। दक्षिणपंथी संगठनों द्वारा सरकार द्वारा मकबरे को नहीं हटाने पर बाबरी मस्जिद विध्वंस के समान कार सेवा करने की धमकी के बाद यह कदम उठाया जा रहा है। मकबरे पर पुलिस भी तैनात की गई है और ढांचे की ओर आवाजाही को काफी हद तक रोक दिया गया है। मकबरे की छठी पीढ़ी के देखभालकर्ता फिरोज अहमद ने कहा, पहले धातु की चादरें लगाई गईं और अब सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए सरकारी अधिकारियों ने कांटेदार तार लगाने से रोक दिया है। दूसरी ओर, नाम न बताने की शर्त पर एएसआई के एक अधिकारी ने कहा कि यह एक संरक्षित स्मारक है और इसकी सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। अगर किसी संरक्षित स्मारक को कोई नुकसान पहुंचाया जाता है, तो इससे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश के बारे में गलत संदेश जाएगा। यह मकबरा सूफी संत हजरत जैनुद्दीन शिराजी की दरगाह के परिसर में स्थित है।

सोशल मीडिया में अश्लीलता फैलाने वाला यूट्यूबर गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण (हिंस)। पुलिस ने सोशल मीडिया में अश्लीलता फैलाने वाले के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की है। एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर साइबर डीएसपी अभिनव पराशर ने महिलाओं और बच्चियों के अश्लील वीडियो बनाकर फेसबुक और इंस्टाग्राम पर डालने वाले यूट्यूबर रजनीश को गिरफ्तार किया है। रजनीश पर पहले से ही सोशल मीडिया पर हथियार लहराने व मवेशी तस्करी के मामले दर्ज थे। साइबर डीएसपी ने रजनीश को कचहरी चौक से गिरफ्तार किया है। महिलाओं और बच्चियों के अश्लील वीडियो पोस्ट करने वालों के खिलाफ जिला पुलिस की यह दूसरी बड़ी कार्रवाई है, जिससे अश्लीलता फैलाने वाले यूट्यूबरों में हड़कंप मच गया है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि जिला में सोशल मीडिया पर पैनी निगाह रखी जा रही है। इस दौरान पाया गया कि कई यूट्यूबर महिलाओं और बच्चियों के अश्लील वीडियो बनाकर यूट्यूब, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर डाल रहे है, जिससे समाज में बुरा असर पड़ रहा है।

वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ एआईएमपीएलबी ने देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने रविवार को प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की है। एआईएमपीएलबी के कार्यालय सचिव मोहम्मद वकार उद्दीन लतीफी की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया कि 17 मार्च को दिल्ली में बड़े पैमाने पर और सफल विरोध प्रदर्शन के बाद, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की है। एआईएमपीएलबी के प्रवक्ता और वक्फ विधेयक के खिलाफ कार्रवाई समिति के संयोजक एसक्यूआर इलियास ने बोर्ड की ओर से सभी मुस्लिम संगठनों, नागरिक समाज समूहों और दलित, आदिवासी, ओबीसी और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के नेताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अल्लाह की कृपा और इन समूहों के एकजुट समर्थन के बिना, दिल्ली के प्रदर्शन की सफलता संभव नहीं होती। उन्होंने विपक्षी दलों और सांसदों को भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने न केवल बड़ी संख्या में भाग लिया, बल्कि प्रस्तावित कानून को दृढ़ता से खारिज भी किया। एआईएमपीएलबी के बयान में कहा गया है कि एआईएमपीएलबी की 31 सदस्यीय कार्रवाई समिति ने विवादास्पद, भेदभावपूर्ण और नुकसानदायक विधेयक का विरोध करने के लिए सभी संवैधानिक, कानूनी और लोकतांत्रिक तरीकों को अपनाने का संकल्प लिया है। आंदोलन के पहले चरण के तहत 26 मार्च को पटना और 29 मार्च को विजयवाड़ा में राज्य विधानसभाओं के सामने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई गई है। इसमें कहा गया है कि एआईएमपीएलबी के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ-साथ राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय धार्मिक और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि इन प्रदर्शनों में भाग लेंगे। नागरिक समाज के नेता, अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की प्रमुख हस्तियां और दलित, आदिवासी और ओबीसी वर्गों के प्रमुख लोगों ने भी अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। बयान में कहा गया है कि विभिन्न राजनीतिक दलों की तरफ से सांसदों को चालू संसद सत्र में भाग लेने के लिए व्हिप जारी करने के बावजूद, संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के विपक्षी सदस्यों को भी धरना-प्रदर्शन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। बयान के अनुसार कि पटना में, बिहार के मुख्यमंत्री समेत जेडी(यू), आरजेडी, कांग्रेस और लोक जनशक्ति पार्टी के नेताओं को आमंत्रित किया गया है। इसी तरह, आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), वाईएसआर कांग्रेस, कांग्रेस और वामपंथी दलों को निमंत्रण भेजा गया है। इलियास ने कहा कि इन विरोध प्रदर्शनों का उद्देश्य भाजपा के गठबंधन सहयोगियों को एक स्पष्ट संदेश भेजना है: या तो विधेयक के लिए समर्थन वापस ले लें या फिर हमारा समर्थन खोने का जोखिम उठाएं। इस अभियान में धरना प्रदर्शन, मानव श्रृंखला और सोशल मीडिया अभियान, विशेष रूप से एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर हैशटैग अभियान शामिल होंगे। बयान में कहा गया है कि जिला स्तर पर सार्वजनिक सम्मेलन, सेमिनार, संगोष्ठी और धरने आयोजित किए जाएंगे और जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से भारत के राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपे जाएंगे।

पृष्ठ एक का शेष

सीएम का चार दिवसीय ...

बैठकों की अध्यक्षता की, जिसमें मुख्य सचिव, वरिष्ठ सचिव, जिला आयुक्त, एसपी और विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हुए। सरकारी पहलों की प्रगति का आकलन करने के लिए डिब्रूगढ़, डेमो, धेमाजी और ढकुआखाना विधानसभा क्षेत्रों (एलएसी) के लिए समीक्षा बैठकें आयोजित की गईं। डिब्रूगढ़ कृत्रिम बाढ़ प्रबंधन पर विशेष चर्चा की गई और मोरन जनगोष्ठी और मटक जनगोष्ठी संगठनों के साथ बैठकें आयोजित की गईं। प्रशासनिक और सुरक्षा मामलों पर चर्चा करने के लिए गृह विभाग, खान और खनिज विभाग, डीजीपी और डिमा हसाऊ जिले के डीसी और एसपी के साथ एक वीडियो कांफ्रेंस भी आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया जिलों के भाजपा पदाधिकारियों से मुलाकात की और 22 मार्च 2025 को उनके साथ रात्रि भोज किया। अपने प्रवास के दौरान, मुख्यमंत्री ने 29 ई-फाइलों का निपटारा किया और सीएम सचिवालय, डिब्रूगढ़ से 18 विधानसभा प्रश्नों को मंजूरी दी। इसके अलावा, कैबिनेट मंत्रियों, वरिष्ठ सचिवों और पुलिस अधिकारियों को विभिन्न नीतिगत मामलों और परियोजनाओं को संबोधित करते हुए 106 यू.ओ. पत्र जारी किए गए। मुख्यमंत्री ने माननीय प्रधान मंत्री, केंद्रीय मंत्री (रसायन और उर्वरक), और सचिव (उर्वरक विभाग, भारत सरकार) को तीन महत्वपूर्ण डी.ओ. पत्रों पर भी हस्ताक्षर किए, जिसमें क्षेत्र की प्रमुख विकास संबंधी चिंताओं पर प्रकाश डाला गया। अपने क्षेत्रीय दौरे के तहत मुख्यमंत्री ने डिब्रूगढ़ में प्रस्तावित विधानसभा भवन और विधायक छात्रावास का निरीक्षण किया। उन्होंने डिब्रूगढ़ के लेपेटकाटा में ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलीमर लिमिटेड (बीसीपीएल) का भी दौरा किया, औद्योगिक प्रगति की समीक्षा की और भविष्य की विस्तार योजनाओं पर चर्चा की। पर्यावरण संरक्षण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए, 22 मार्च 2025 को मुख्यमंत्री सचिवालय, डिब्रूगढ़ में रात 8:30 बजे से 9:30 बजे तक अर्थ आवर मनाया गया। इस दौरान सभी लाइटें बंद कर दी गईं और मिट्टी के दीये और मोमबत्तियां जलाकर कार्बन फुटप्रिंट कम करने और पर्यावरण की रक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाई गई। डिब्रूगढ़ की चार दिवसीय यात्रा ने ऊपरी असम में कुशल शासन, बुनियादी ढांचे के विकास और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए असम सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। इस यात्रा के दौरान अपनाए गए सक्रिय दृष्टिकोण से विभिन्न सरकारी नीतियों के कार्यान्वयन में तेजी आने की उम्मीद है, जिससे क्षेत्र के लिए बेहतर सेवा वितरण और समग्र विकास सुनिश्चित होगा।

मुख्यमंत्री ने की ...

साथ ही, भविष्य के विस्तार और विकास की संभावनाओं को भी ध्यान में रखते हुए योजना तैयार करने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि इस परियोजना के तहत वर्तमान आवासीय क्वार्टरों को बदलकर प्राचार्य, उप-प्राचार्य, वरिष्ठ एवं कनिष्ठ फैकल्टी, जीएनएम स्टाफ, छात्रों, तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए नए आवास बनाए जाएंगे। इसके अलावा, एक कन्वेंशन सेंटर और अन्य आवश्यक सुविधाओं का भी निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण (भवन) विभाग को मेडिकल कॉलेज प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर इस परियोजना को सुचारू रूप से लागू करने का निर्देश दिया। पुरानी जर्जर आवासीय संरचनाओं को तोड़कर नए बहुमंजिला आवासीय भवनों के निर्माण से एएमसीएच परिसर में कई बीघा भूमि का बेहतर उपयोग किया जा सकेगा। बैठक में लोक निर्माण मंत्री प्रशांत फुकन, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. केके द्विवेदी, लोक निर्माण (भवन) विभाग के विशेष आयुक्त एवं विशेष सचिव राज चक्रवर्ती, जिला उपायुक्त बिक्रम कैरी, एएमसीएच के प्राचार्य डॉ. संजीव काकती, अधीक्षक डॉ. ध्रुवज्योति भुइयां सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

5 अप्रैल तक पंचायत...

अगर उन्होंने संवाद किया होता, तो हम निश्चित रूप से इस पर चर्चा करते। उन्होंने सत्तारूढ़ भाजपा सरकार की आलोचना करने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी तथा उस पर विपक्षी एकता को तोड़ने के लिए कानूनी तंत्र का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा विपक्षी एकता को कमजोर करने के निरंतर प्रयासों के कारण अब नागरिक मंचों को विपक्षी एकता पर निर्णय लेने का काम सौंपा गया है। 2 अप्रैल को होने वाले राभा हसोंग स्वायत्त परिषद के चुनावों से पहले, कांग्रेस ने जीत हासिल करने का विश्वास व्यक्त किया - बशर्ते कि सत्तारूढ़ भाजपा परिणामों में हेरफेर करने के लिए अपनी वित्तीय ताकत का उपयोग न करे। बोरा ने कहा कि यदि भाजपा धनबल का सहारा नहीं लेती है तो कांग्रेस को राभा हसोंग में जीत का पूरा भरोसा है। उन्होंने प्रेस को बताया कि कांग्रेस उम्मीदवारों को परिषद चुनावों में धमकियों और डर का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि हमारे दो उम्मीदवारों को डराया धमकाया गया है। ऐसी घटनाएं चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता के बारे में चिंताओं को और बढ़ाती हैं। इस बीच, आम आदमी पार्टी (आप) और ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) के लगभग 30 नेता रविवार को घोरामारम में एपीसीसी प्रमुख के आवास पर एक समारोह के दौरान कांग्रेस में शामिल हो गए। नए सदस्यों में धेमाजी जिले के पूर्व आसू उपाध्यक्ष मनोरंजन चेतिया, पूर्व जिला कार्यकारी मोंटू गोगोई, जिला संगठन सचिव अंजन गोगोई और श्रीपानी क्षेत्रीय छात्र संघ के कई पूर्व अध्यक्ष शामिल थे। इनमें से करीब 20 नेता आप से थे, जिससे क्षेत्र में कांग्रेस की मौजूदगी और मजबूत हुई। बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने से राभा हसोंग चुनाव से पहले पार्टी का मनोबल बढ़ने की उम्मीद है।

सुशांत सिंह राजपूत से ...

जो उन्होंने सुशांत की बहनों के खिलाफ दर्ज कराया था। सीबीआई ने सुशांत के पिता केके सिंह की ओर से दर्ज कराए गए मामले में पटना की एक विशेष अदालत के समक्ष क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की, जबकि दूसरे मामले में क्लोजर रिपोर्ट मुंबई की एक विशेष अदालत के समक्ष पेश की गई। उपरोक्त अधिकारियों ने बताया कि अब अदालतें तय करेंगी कि रिपोर्ट को स्वीकार किया जाए या एजेंसी को आगे की जांच का आदेश दिया जाए। सीबीआई ने दो अलग-अलग मामलों की जांच की। एक केके सिंह द्वारा पटना पुलिस में दायर किया गया मामला था, जिसमें चक्रवर्ती पर आत्महत्या के लिए उकसाने और अभिनेता के खातों से 15 करोड़ रुपए निकालने का आरोप लगाया गया। दूसरा मामला चक्रवर्ती द्वारा बांद्रा में दायर किया गया था, जिसमें सुशांत की बहनों पर दिल्ली के एक डॉक्टर द्वारा जारी फर्जी पर्चे के आधार पर उन्हें दवाएं देने का आरोप लगाया गया है। बांद्रा पुलिस के समक्ष दर्ज और बाद में सीबीआई द्वारा जांच अपने हाथ में लिए गए मामले में रिया ने आरोप लगाया था कि इन दवाओं को गलत तरीके से दिए जाने के पांच दिन बाद सुशांत की मृत्यु हो गई थी। अधिकारियों ने बताया कि विशेषज्ञों की राय, अपराध स्थल विश्लेषण, गवाहों के बयान और फोरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर सीबीआई इस निष्कर्ष पर पहुंची कि इस आरोप को साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं हैं कि किसी ने अभिनेता को आत्महत्या के लिए मजबूर किया होगा। अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती के वकील सतीश मानेशिंदे ने सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने क्लोजर रिपोर्ट की सराहना की और सीबीआई को *सभी कोणों से मामले के हर पहलू की गहन जांच करने* के लिए धन्यवाद दिया। सुशांत सिंह राजपूत मुंबई के बांद्रा स्थित अपने फ्लैट में 14 जून 2020 को फंदे से लटके हुए पाए गए थे। वह 34 साल के थे। कूपर अस्पताल में किए गए पोस्टमार्टम से यह निष्कर्ष निकला था कि अभिनेता की मौत दम घुटने के कारण हुई।

पेपर लीक मामला : छात्र...

को होने वाली उच्चतर माध्यमिक प्रथम वर्ष की गणित की परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक हो गया था, जिसके कारण अधिकारियों को परीक्षा रद्द करनी पड़ी। अधिकारियों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उच्चतर माध्यमिक प्रथम वर्ष या कक्षा 11 की परीक्षाएं 6 मार्च को शुरू हुई थीं और 29 मार्च तक जारी रहने वाली थीं। पेगु ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि प्रश्नपत्र लीक होने और प्रोटोकॉल के उल्लंघन की खबरों के कारण शेष विषयों की एचएस प्रथम वर्ष की परीक्षा 2025 (24-29 मार्च तक निर्धारित) को रद्द कर दिया गया है। असम राज्य स्कूल शिक्षा बोर्ड (एएसएसईबी) के आधिकारिक आदेश को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि परीक्षाओं के नए कार्यक्रम के संबंध में आगे की कार्रवाई सोमवार को बोर्ड की बैठक में तय की जाएगी। मंत्री ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि राज्यभर में तीन सरकारी संस्थानों सहित 18 स्कूलों ने निर्धारित परीक्षा से एक दिन पहले सुरक्षा सील तोड़ दी थी जिससे गणित का प्रश्नपत्र लीक हो गया। उन्होंने कहा कि एएसएसईबी ने 11वीं कक्षा के गणित के प्रश्नपत्रों की सील निर्धारित समय से पहले तोड़े जाने और उनके लीक होने के कारण 10 जिलों के 15 निजी स्कूलों की संबद्धता निलंबित कर दी है। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इसी तरह नियमों का उल्लंघन करने वाले तीन अन्य स्कूलों के खिलाफ भी कार्रवाई करेगी। कांग्रेस की छात्र शाखा नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने कहा कि पेपर लीक होना युवा पीढ़ी के भविष्य की रक्षा करने में सरकार की विफलता को दर्शाता है। एनएसयूआई की असम शाखा के अध्यक्ष कृष्णु बरुआ ने बताया कि पेपर लीक की लगातार घटनाओं के बावजूद प्रशासन ने ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए हैं। प्रश्नपत्र लीक होने के परिणाम विनाशकारी हैं। इन परीक्षाओं की तैयारी के लिए कड़ी मेहनत करने वाले लाखों छात्र अनिश्चितता की स्थिति में हैं। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) की राज्य सचिव संगीता दास ने आरोप लगाया कि हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार में प्रश्नपत्र लीक होना आम बात हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि हमने प्रश्नपत्र रद्द किए जाने के विरोध में 2019 में भूख हड़ताल की थी और आरसी जैन के इस्तीफे की मांग की थी। सुधारों की बात तो छोड़िए, असम माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (एसईबीए) और परिषद को भंग कर दिया गया और एक बोर्ड का गठन कर दिया गया, लेकिन जैन के खिलाफ कोई जांच नहीं की गई। भ्रष्ट अधिकारी फिर से एएसएसईबी का अध्यक्ष बन गया। पिछले साल फरवरी में एसईबीए और असम उच्चतर माध्यमिक शिक्षा परिषद (एएचएसईसी) को मिलाकर एक नया निकाय असम राज्य स्कूल शिक्षा बोर्ड (एएसएसईबी) का गठन किया गया था। दास ने मांग की कि क्या शिक्षा मंत्री ऐसी गड़बड़ी की जिम्मेदारी लेंगे और इस्तीफा देंगे? मामले की जांच के लिए उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया जाना चाहिए और तब तक जैन को निलंबित कर दिया जाना चाहिए और पेगु को पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। सत्र मुक्ति संग्राम समिति (एसएमएसएस) के महासचिव प्रांजल कलिता ने दावा किया कि असम सरकार परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने के मामले में दुनिया में रिकॉर्ड बनाएगी। उन्होंने कहा कि हिमंत विश्व शर्मा जब शिक्षा मंत्री थे वह तब से असम के छात्रों के जीवन से खेल रहे हैं। अब वह मुख्यमंत्री बनकर भी यही कर रहे हैं। शिक्षा मंत्री पेगु को अपनी विफलता स्वीकार करनी चाहिए और इस्तीफा देना चाहिए। आसू के अध्यक्ष उत्पल शर्मा ने कहा कि गोपनीयता बनाए रखना किसी भी परीक्षा संस्थान का प्राथमिक कर्तव्य होता है, लेकिन एएसएसईबी परीक्षाओं का उचित संचालन करने में विफल रहा है। उन्होंने कहा कि हम उचित जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग करते हैं। छात्रों को न्याय मिलना चाहिए।

संविधान और बातचीत ...

12वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित समारोह में कहा कि राज्य में हर कोई शांति चाहता है। उन्होंने कहा कि कोई भी मौजूदा हिंसा या संघर्ष की स्थिति को जारी नहीं रखना चाहता। साथ ही उन्होंने विश्वास जताया कि राज्यपाल के प्रयासों से मणिपुर में जल्द ही शांति और सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी। न्यायमूर्ति गवई ने आगे अपने मणिपुर यात्रा को महत्वपूर्ण बताया। कारण का जिक्र करते हुए गवई ने कहा कि मणिपुर वह जगह है जहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस और भारतीय राष्ट्रीय सेना ने देश की आजादी के लिए संघर्ष किया था और 1944 में पहली बार भारतीय ध्वज फहराया गया था। न्यायमूर्ति गवई ने आगे कहा कि हमारा देश संविधान को अपनाए हुए 75 साल मना रहा है और जब हम भारत को अपने पड़ोसी देशों से तुलना करते हैं, तो यह साफ होता है कि हमारा संविधान हमें एकजुट और मजबूत रखता है। न्यायमूर्ति गवई ने बताया कि उन्होंने अपनी यात्रा के दौरान मणिपुर के चूड़ाचांदपुर और बिष्णुपुर में राहत शिविरों का दौरा किया। साथ ही वहां के लोगों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि वहां उपस्थित सभी लोगों ने शांति की बहाली की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने यह भी कहा कि मणिपुर के लोग वर्तमान स्थिति को जारी रखने के बजाय संवैधानिक तरीकों से राज्य में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए एकजुट होकर काम कर सकते हैं। इसके अलावा, न्यायमूर्ति गवई ने मणिपुर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी कृष्णकुमार द्वारा शुरू की गई नई परियोजनाओं की भी सराहना की। साथ ही उन्होंने चूड़ाचांदपुर में राहत शिविर में युवतियों द्वारा *वी शैल ओवरकम...* गाने की भी प्रशंसा की और उम्मीद जताई कि एक दिन यह सच होगा।

माटिया ट्रांजिट कैंप ...

दिया, जिसमें राष्ट्रीयता सत्यापन और किसी भी अन्य निर्वासन की स्थिति का विवरण दिया गया हो। मामले की अगली सुनवाई 6 मई को निर्धारित की गई है। इससे पहले 4 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने 63 लोगों के खिलाफ कार्रवाई में सरकार की देरी पर सवाल उठाया था, जिनकी पहचान की पुष्टि हो चुकी थी। बेंच ने टिप्पणी की थी कि क्या आप किसी मुहूर्त का इंतजार कर रहे हैं? यह मामला 5 मार्च को बजट सत्र के दौरान असम विधानसभा में भी उठाया गया था, जिसमें विपक्ष ने सवाल उठाया था कि ट्रांजिट शिविरों में रह रहे विदेशी नागरिकों को वापस क्यों नहीं भेजा गया। इस बात को लेकर भी चिंता व्यक्त की गई कि क्या शिविरों में बंद सभी लोग वास्तव में विदेशी नागरिक हैं। शुक्रवार को सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र को निर्देश दिया कि वह उन व्यक्तियों से निपटने के लिए अपनी योजना की रूपरेखा तैयार करे जिन्हें विदेशी न्यायाधिकरणों द्वारा *विदेशी* घोषित किया गया है, लेकिन जिनकी राष्ट्रीयता सत्यापित नहीं है। केंद्र सरकार को जवाब देने के लिए अप्रैल 2025 तक का समय दिया गया है और इस मुद्दे पर भी 6 मई को सुनवाई होगी।

इजराइल-हमास युद्ध ...

विराम समाप्त करने के बाद इजराइल द्वारा अचानक किए गए हवाई हमलों में मारे गए हैं। मंत्रालय ने इस बात को स्पष्ट नहीं किया कि मृतकों में कितने आम नागरिक और कितने लड़ाके शामिल हैं।

राज्य में 4.47 लाख परिवारों ...

दलाल, सरकारी अधिकारी आदि शामिल हैं। समय-समय पर गुवाहाटी उच्च न्यायालय जिला आयुक्तों को सरकारी भूमि से अतिक्रमणकारियों को बेदखल करने का आदेश देता है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने भी दिसंबर 2021 में सार्वजनिक तौर पर कहा था कि उनकी सरकार सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराएगी। इसके बावजूद राज्य में अभी भी बड़ी संख्या में परिवार सरकारी भूमि पर काबिज हैं। सूत्रों के अनुसार, पिछले कुछ सालों में राज्य सरकार ने अतिक्रमणकारियों से जमीनें खाली करवाने के लिए कई अभियान चलाए हैं। समस्या यह है कि अतिक्रमण हटाने के लिए बहुत सारी तैयारियों और संसाधनों की जरूरत होती है, साथ ही बेदखल किए जा रहे लोगों की ओर से शोर-शराबा भी होता है। इस वजह से सरकार कई इलाकों में अतिक्रमण हटाने के अभियान नहीं चला पाई है, जहां उसे चलाना चाहिए था। राज्य सरकार के पास भूमि बैंक आदि जैसा कोई डेटा नहीं था, जिससे पता चले कि पिछले समय में उसकी कितनी जमीनें बेकार पड़ी थीं। इससे राज्य में सरकारी जमीनों पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हुआ। हाल ही में, राज्य सरकार द्वारा भूमि बैंक के जरिए सरकारी जमीनों को निर्दिष्ट करने के बाद, उसकी जमीनों के बारे में चीजें स्पष्ट हो गई हैं। राज्य सरकार ने असम भूमि अधिग्रहण (निषेध) अधिनियम, 2010 लागू किया। इस अधिनियम की धारा 3 में कहा गया है कि किसी भी रूप में भूमि अधिग्रहण गैरकानूनी है, और भूमि अधिग्रहण से जुड़ा या उससे उत्पन्न कोई भी कार्य संज्ञेय अपराध होगा। सरकार इस अधिनियम के तहत, विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में, बेदखली अभियान चला रही है।

एकजुट होकर मजबूती ...

इस बात पर प्रकाश डालते हुए सिब्बल ने कहा कि इन विवादों से विपक्षी एकता कमजोर हुई है, लेकिन उन्हें विपक्षी गठबंधन के भविष्य पर विश्वास है। उन्होंने कहा कि समय आने पर पता चलेगा कि यह गठबंधन किस रूप में होगा। सिब्बल ने संसद के बजट सत्र में पेश होने वाले वक्फ (संशोधन) विधेयक पर भी अपनी राय दी। उन्होंने कहा कि एनडीए के पास बहुमत नहीं है, इसलिए इस विधेयक पर क्या निर्णय लिया जाएगा, यह देखना होगा। उन्होंने कहा कि बिहार में आगामी चुनावों को देखते हुए उन्हें लगता है कि इस विधेयक का असर चुनावी प्रक्रिया पर पड़ सकता है। साथ ही सिब्बल ने इन दिनों लगातार चर्चा में चलव रहे परिसीमन मामले पर भी बात की। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर मुद्दा है, जिसका भविष्य में देश की राजनीति पर गहरा असर पड़ सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि नई जनगणना होने तक परिसीमन नहीं किया जा सकता है, क्योंकि 2021 की जनगणना अभी तक पूरी नहीं हुई है। इसके अलावा, सिब्बल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में तीन-भाषा फॉर्मूले को लेकर भी अपनी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यह एक विवादास्पद मुद्दा है, और इस पर देशभर में अलग-अलग राय हैं। साथ ही सिब्बल ने सरकार से अपील की कि ऐसे विवादास्पद मुद्दों से बचा जाए जो 21वीं सदी की चुनौतियों का समाधान नहीं करते। गौरतलब है कि कपिल सिब्बल ने कांग्रेस छोड़ने के बाद समाजवादी पार्टी के समर्थन से राज्यसभा में प्रवेश किया। साथ ही अब वह एक स्वतंत्र सांसद के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने अपने बयान में विपक्षी एकता को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि समय के साथ विपक्ष को एक मजबूत और संगठित ढांचे में ढालने की जरूरत है।

परिसीमन पर केंद्र ...

स्थित एक होटल में संयुक्त निर्वाचन क्षेत्र पुनर्निर्धारण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों, उपमुख्यमंत्रियों तथा राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसमें केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवत मान, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, पीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव, बीजू जनता दल के अमर पटनायक, संजय कुमार दास परमा और अन्य ने भाग लिया। बैठक में शामिल सभी नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण जनसंख्या के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। बैठक के अंत में, संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के पुनर्वितरण को 25 वर्षों के लिए स्थगित कर दिया जाना चाहिए। सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर प्रधानमंत्री मोदी से संसद में इसकी घोषणा करने का आग्रह किया गया। यह घोषणा की गई है कि निर्वाचन क्षेत्र पुनर्गठन के संबंध में अगली संयुक्त समिति की कार्य बैठक हैदराबाद, तेलंगाना में आयोजित की जाएगी। यह घोषणा की गई है कि अगली संयुक्त समिति की बैठक हैदराबाद में होगी, क्योंकि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने इसे हैदराबाद में आयोजित करने की इच्छा व्यक्त की है। तेलंगाना कांग्रेस के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र पुनर्गठन पर अगली संयुक्त समिति की बैठक अप्रैल में हैदराबाद में होगी। इसके बाद एक बड़ी सार्वजनिक बैठक होगी। इसमें राज्य और राष्ट्रीय दलों के वरिष्ठ नेता भाग लेंगे। इन आयोजनों की तारीखों की घोषणा जल्द ही की जाएगी। केरल, पंजाब और तमिलनाडु के मुख्यमंत्रियों ने इस पर सहमति जताई है।

छह दिनों बाद ...

के मध्य क्षेत्रों में उस समय भड़क उठी, जब अफवाहें फैलीं कि विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल द्वारा मुगल सम्राट औरंगजेब की समाधि को हटाने की मांग को लेकर किए गए विरोध के दौरान एक धार्मिक शिलालेख वाली *चादर* जला दी गई। हालांकि, अधिकारियों ने बाद में स्पष्ट किया कि ये अफवाहें पूरी तरह झूठी और भ्रामक थीं। इससे पहले, 20 मार्च को नंदनवन और कपिल नगर थाना क्षेत्रों से तथा 22 मार्च को पांचपावली, शांति नगर, लकड़गंज, सक्करदरा और इमामबाड़ा इलाकों से कर्फ्यू हटा लिया गया था। रविवार को नागपुर पुलिस आयुक्त रवींद्र सिंघल ने आदेश जारी कर कोतवाली, तहसील, गणेशपेठ और यशोधरा नगर थाना क्षेत्रों से भी दोपहर 3 बजे से कर्फ्यू हटाने का निर्णय लिया। एक अधिकारी ने बताया कि संवेदनशील इलाकों में पुलिस की गश्त जारी रहेगी और स्थानीय पुलिस बल तैनात रहेगा। 17 मार्च को हुए उपद्रव में बड़े पैमाने पर पथराव और आगजनी की घटनाएं हुई थीं। इस हिंसा में तीन डीसीपी रैंक के अधिकारियों समेत 33 पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। पुलिस ने अब तक हिंसा से जुड़े 100 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि नागपुर में हुई हिंसा के दौरान हुई तोड़फोड़ और संपत्ति के नुकसान की भरपाई दंगाइयों से कराई जाएगी और जरूरत पड़ने पर उनके खिलाफ बुलडोजर की कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि हिंसा फैलाने वाले नुकसान की भरपाई नहीं करते हैं, तो उनकी संपत्ति जब्त कर नीलाम की जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि हिंसा के दौरान पुलिस अधिकारियों पर हमला करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राजस्व-आपदा प्रबंधन मंत्री केशव महंत राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के स्थापना दिवस में शामिल हुए

जलवायु परिवर्तन के कारणों, चुनौतियों और शमन रणनीतियों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण : मंत्री महंत

गुवाहाटी। जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने आज गुवाहाटी में *जलवायु परिवर्तन और मीडिया की भूमिका* पर एक दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा गुवाहाटी विश्वविद्यालय के मास मीडिया एवं पत्रकारिता विभाग के सहयोग से आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन पूरे विश्व के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। 18वीं शताब्दी में यूरोप में औद्योगिक क्रांति की शुरुआत के साथ शुरू हुए प्रदूषण के कारण जलवायु परिवर्तन में वृद्धि हुई। जलवायु परिवर्तन अब पूरे विश्व के लिए एक गंभीर चुनौती है क्योंकि बढ़ते प्रदूषण के कारण वैश्विक तापमान बढ़ रहा है। शोधकर्ताओं के अनुसार, 1901 से 2001 तक मात्र 120 वर्षों में वैश्विक तापमान में लगभग 1 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है। मंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण आपदाओं का खतरा बढ़ रहा है। ऐसी परिस्थितियों में, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों और इसके परिणामस्वरूप आपदाओं के बढ़ते खतरों के बारे में जनता को जागरूक रखने के लिए आवश्यक जानकारी का उचित ढंग से प्रसार करना आवश्यक है। इसलिए, इस संबंध में हमारे

मीडिया की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो गई है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन पर जनमत तैयार करने तथा भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए उचित नीतियां अपनाने में मीडिया की भूमिका सर्वाधिक प्रभावी है। जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन कुछ जटिल और संवेदनशील मुद्दे हैं और आम जनता को इससे जुड़े वैज्ञानिक और तकनीकी पहलुओं के बारे में समझाना अपेक्षाकृत कठिन है। ये तकनीकी मुद्दे अक्सर हमारे लोगों के लिए उबाऊ या समझने में कठिन होते हैं। इसलिए, जलवायु परिवर्तन से संबंधित विषयों पर रिपोर्टिंग करना भी एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। अत: यह उम्मीद की जा सकती है कि हमारी जनता इस संबंध में तभी जागरूक और सक्रिय होगी जब जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों और इससे होने वाले आपदा जोखिमों को जनता के बीच सटीक और आकर्षक तरीके से प्रचारित किया जा सकेगा। जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन या आपदा संबंधी मुद्दे संवेदनशील और जटिल हैं और यह आवश्यक है कि सभी हितधारक इस संबंध में बहुत जिम्मेदार भूमिका निभाएं। यह आवश्यक है कि समाचार और रिपोर्ट तैयार करते समय जलवायु परिवर्तन और आपदा न्यूनीकरण पर जानकारी सटीक और विश्वसनीय हो। यह सुनिश्चित करने के लिए सचेत और जिम्मेदार होने की आवश्यकता है कि ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर गलत जानकारी, संदर्भ या अतिशयोक्ति जनता तक न पहुंचे। उन्होंने कहा कि इसी तरह, जनता को जलवायु परिवर्तन के संदर्भ और इस मुद्दे के प्रति उचित दृष्टिकोण के साथ-साथ इसके कारणों, प्रभावों और संभावित समाधानों-सावधानियों या शमन उपायों के बारे में भी जानकारी दी जानी चाहिए। मंत्री ने कहा कि राज्य आपदा न्यूनीकरण प्राधिकरण (एएसडीएमए) जलवायु परिवर्तन और आपदा न्यूनीकरण मुद्दों पर जन जागरूकता बढ़ाने में मदद के लिए उचित प्रचार नीति तैयार करने हेतु गुवाहाटी विश्वविद्यालय के मास मीडिया और पत्रकारिता विभाग के साथ पहले से ही काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग गुवाहाटी विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ विश्वविद्यालय में मास मीडिया एवं पत्रकारिता का पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए चर्चा भी करेगा। इस बीच, राज्य आपदा न्यूनीकरण प्राधिकरण (एसडीएमए) राज्य में किसी भी प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं पर तत्काल प्रतिक्रिया प्रदान करने के लिए राजस्व सर्कल स्तर तक राज्य के सभी जिलों में आपदा प्रबंधन प्रणाली को मजबूत करने के लिए काम कर रहा है। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए नागालैंड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर समुद्रगुप्त कश्यप ने कहा कि जलवायु परिवर्तन चुनौतियों के संदर्भ में मीडिया की जिम्मेदारी बढ़ रही है और उन्होंने सटीक, सूचनात्मक और जिम्मेदार कवरेज की वकालत की। इस कार्यक्रम में *हरगिला बाइडू* के नाम से प्रसिद्ध वन्यजीव वैज्ञानिक और प्रकृतिवादी डॉ. पूर्णिमा देवी बर्मन, यूनिसेफ असम की मुख्य कार्यकारी अधिकारी मधुलिका जोनाथन, एएसडीएमए के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीपक शर्मा, गुवाहाटी विश्वविद्यालय के सरकारी डॉ. चंदन कुमार गोस्वामी, मीडिया और पत्रकारिता विभाग की प्रमुख मुबीना अख्तर, प्रोफेसर शांतनु गोस्वामी, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बेंगलुरु के प्रोफेसर, आनंद प्रकाश कानू, यूनिसेफ असम के कार्यकारी निदेशक, डॉ. सुरभि दहिया, आईआईएमसी, दिल्ली और अनूप की प्रोफेसर, डिजिटल मीडिया विशेषज्ञ शर्मा, जलवायु कार्यकर्ता ऋतुराज फुकन, डॉ. भारती भराली, प्रोफेसर, मास मीडिया और पत्रकारिता विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, सूचना और जनसंपर्क विभाग के विभिन्न जिलों के जिला सूचना और जनसंपर्क अधिकारी और जिला आपदा न्यूनीकरण प्राधिकरण (डीडीएमए) के जिला परियोजना अधिकारी शामिल हुए।

रवींद्रनाथ टैगोर विवि के असमिया विभाग में विश्व कविता दिवस मनाया

होजाई (निसं)। रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के असमिया विभाग ने विभाग के स्नातक कक्षा में विश्व कविता दिवस मनाया। विभागाध्यक्ष डॉ. वीना सैकिया की अध्यक्षता में आयोजित उक्त कार्यक्रम का संचालन सहायक अध्यापक देवराज मिली ने किया। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए डॉ. सैकिया ने असमिया कविता की शैली के बारे में कहा कि कविता मानव आत्मा की धड़कन है और यह गहन अभ्यास के माध्यम से प्राप्त की जाने वाली कला है। वहीं सहायक अध्यापक देवराज मिल्ली ने कार्यक्रम के महत्व को समझाया और छात्रों को प्रासंगिक विषयों पर प्रेरित किया, जैसे कि एक सार्थक कविता कैसे बनाई जाती है, आधुनिक कविता की पृष्ठभूमि, छात्रों को अग्रणी कवियों के प्रति सम्मान कैसे रखना चाहिए, और पुरानी चीजों की नींव पर नई चीजें उगती हैं। कार्यक्रम के बाद विभाग के शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच कविता पाठ का कार्यक्रम आयोजित किया गया। विभाग के शिक्षक देवराज मिली ने कवि नीलमणि फुकन की कविता और स्वरचित कविता पढ़ी। इसके बाद डॉ. मल्लिका डेका, जदुमणि गोगोई, पल्लवी कथार, जूरी नाथ, बंदिता पातर और शिवानी गोगोई ने कविता का पाठ किया। वहीं, छात्रों में शोध छात्रा हीरा ज्योति दत्ता, विभाग के छात्र अनूप बोरो, प्रीतिरानी भौमिक, साजिदुर रहमान, अंकुर ज्योति बोरा, शिखामणि सेकिया, रूपाली देवी, सुस्मिता चौहान, प्रार्थना तालुकदार, रूपांजलि दास और जस्मिना बेगम ने भी कविता का पाठ कर उपस्थित लोगों का मन जीत लिया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. वीना सेकिया ने कार्यक्रम का विश्लेषण किया तथा सभी प्रतिभागियों से कविता के क्षेत्र में जिम्मेदार बनने का आग्रह किया। कार्यक्रम का समापन असम के राष्ट्रगान *ओ मोर अपोनार देश* के साथ हुआ।

रंगिया : श्री हनुमान जन्मोत्सव को लेकर नई समिति गठित

रंगिया (विभास)। रंगिया के मध्य स्थापित श्रीश्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में परंपरागत रूप से इसबार भी श्रीश्री हनुमान जन्मोत्सव का व्यापक आयोजन किया गया है। महोत्सव के इसवर्ष 56वें वार्षिक आयोजन को लेकर मंगलवार को मंदिर प्रांगण में एक साधारण सभा आयोजित की गई। मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष महेश सिकरिया की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में भारी संख्या में समाजबंधुओं की उपस्थिति रही, जिसमें महोत्सव के सुचारू संचालन हेतु आयोजन समिति के गठन सहित सभी पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया। वहीं बैठक मे उक्त महोत्सव हेतु समाजबंधु जितेंद्र जाजोदिया ने स्वेच्छा से अध्यक्षता का भार संभालते हुए महोत्सव की विभिन्न दिशाओं पर बातचीत की। इसके पश्चात उन्होंने सचिव के लिए कैलाश छित्रका और कोषाध्यक्ष के लिए हनुमान बजाज का नाम चयन करते हुए समाजबंधु प्रदीप जाजोदिया को सवामणी संयोजक का कार्यभार सौंपा। साथ ही उपाध्यक्ष पद हेतु रमेश बजाज, बासुदेव शर्मा और गोपाल जाजोदिया के अलावा सह सचिव के रूप में शुभम जाजोदिया, आशिक सुरेका और आशीष लुंडिया सहित जनसंपर्क अधिकारी के रूप में दिनेश तोदी को कार्यभार दिया गया। बैठक अध्यक्ष का आसन ग्रहण व मंदिर संचालन समिति के सचिव प्रमोद अग्रवाल द्वारा सभा के उद्देश्यो की व्याख्या के साथ प्रारंभ की गई। सचिव प्रमोद अग्रवाल द्वारा गत बैठक के प्रतिवेदन पाठ के बाद समाजबंधु जितेंद्र जाजोदिया द्वारा वर्ष 2024 के उक्त महोत्सव के आय व्यय का हिसाब प्रस्तुत किया गया।

मानकाचर में भारी मात्रा में ड्रग्स के साथ दो गिरफ्तार

दक्षिण शालमारा (हिंस)। दक्षिण शालमारा-मानकाचर जिले के मानकाचर थाना क्षेत्र में पुलिस ने दो अलग-अलग अभियानों में नशीले पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान दो करोड़ रुपए मूल्य के नशीली टैबलेट और कफ सिरप बरामद कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। मानकाचर पुलिस ने रविवार को बताया कि नियमित तलाशी अभियान के दौरान मेघालय से प्रवेश कर रहे एक बिना नंबर वाले स्कूटी से 200 बोतल कफ सिरप बरामद किया। पुलिस ने मानकाचर-महेन्द्रगंज (मेघालय) मार्ग पर कार्रवाई करते हुए दो ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए तस्करों की पहचान मेघालय के दक्षिण-पश्चिम गारो हिल्स जिले के आमपाटी थाना क्षेत्र के मिरेनगीपारा गांव निवासी जाइदेंग चांगमा (28) और प्रेबिनाथ मारक (50) के रूप में हुई है। पुलिस ने स्कूटी जब्त कर दोनों आरोपियों से मानकाचर थाने में पूछताछ शुरू कर दी है। इसी बीच, सीमा से सटे शोटमारी गांव में ड्रग्स माफिया साकावत हुसैन के घर पर भी पुलिस ने छापा मारा। गुप्त सूचना के आधार पर जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रताप दास के नेतृत्व में मानकाचर थाना प्रभारी दीपक बोरगोहाईं की टीम ने घर में छापा मारकर 8, 000 याबा टैबलेट जब्त की।

राभा हाजोंग में चुनावी रैली में उमड़ी भारी भीड़, एनडीए की प्रचंड लहर : सैकिया

गुवाहाटी (हिंस)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दिलीप सैकिया ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार राभा हाजोंग क्षेत्र की सुरक्षा और विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने राभा हाजोंग क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता दी है और सभी समुदायों के बीच समरसता को मजबूत करने के लिए कार्य कर रहे हैं। राभा हाजोंग स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य टंकेश्वर राभा के नेतृत्व में क्षेत्र में एक नई विकास लहर आई है। आज की चुनावी रैली में जनता के अपार उत्साह को देखते हुए सैकिया ने विश्वास व्यक्त किया कि 2 अप्रैल

को होने वाले राभा हाजोंग स्वायत्त परिषद चुनाव में एनडीए प्रत्याशी प्रचंड बहुमत से जीत हासिल करेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सैकिया रविवार को 15 नंबर आगिया निर्वाचन क्षेत्र से एनडीए समर्थित और भाजपा नामित प्रत्याशी सुचित्रा नाथ के समर्थन में आयोजित एक विशाल चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर भाजपा ग्वालपाड़ा जिला इकाई के अध्यक्ष दिपांक कुमार नाथ और प्रदेश भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष राकेश दास भी उपस्थित रहे। रैली के दौरान अखिल असम छात्र संघ सहित विभिन्न संगठनों के कई स्थानीय नेताओं ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने इन नए सदस्यों का पार्टी में गर्मजोशी से स्वागत किया। आगिया रैली के बाद, सैकिया ने दो और बड़ी सभाओं में भाग लिया-एक 2 नंबर कथकुठी निर्वाचन क्षेत्र से एनडीए प्रत्याशी भैरव चंद्र कछारी के समर्थन में और दूसरी 22 नंबर बंदापारा निर्वाचन क्षेत्र से मेघाली राभा के समर्थन में। अंबुक में आयोजित कथकुठी रैली में अखिल राभा छात्र संघ के अध्यक्ष मोती लाल बक्शा सहित कई प्रमुख नेता और एनडीए पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

गुवाहाटी में भारी मात्रा में नशीली कफ सिरप जब्त

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी पुलिस (डब्ल्यूजीपीडी) की टीम ने गढ़चुक थाना क्षेत्र के आईएसबीटी चौकी में एक भारत बेंज बस (एआर 02ए 3487) से 3, 775 बोतल कोडीन कफ सिरप जब्त की। यह बस सिलिगुड़ी से आ रही थी। रविवार को पुलिस ने बताया कि पुलिस ने 50 कार्टूनों की तलाशी ली, जिन्हें पहले घी के डिब्बे बताया गया था, लेकिन उनमें नशीली कफ सिरप मिली। पुलिस ने बस के ड्राइवर गोलाप हुसैन (बरपेटा), ड्राइवर ज्योतिष बसुमतारी (गोसाईंगांव) और हैंडमैन हरि प्रसाद छेत्री (कृष्णाई) को गिरफ्तार किया। करीब एक घंटे बाद एक ऑटो-वैन (एएस- 01जेसी 8026) इस खेप को लेने आई, जिसके चालक को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

मोरीगांव जिला नेहरु युवा केंद्र के तत्वाधान और जीवन सेउजी कृषक संघ के सहयोग से शहीद दिवस आयोजित

शहीद भगत सिंह, शुकदेव थापर और शिवराज हरि राजगुरु को दी गई श्रद्धांजलि

गुवाहाटी। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान नायकों और शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए जागीरोड के जोन बिल एमई स्कूल के साभागार में राष्ट्रीय शहीद दिवस मनाया गया। सुबह सफाई अभियान और वृक्षारोपण के बाद उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। बैठक की अध्यक्षता स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष प्रताप सिंह डेका ने की मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित असम साहित्य सभा की मोरीगांव जिला समिति के पूर्व अध्यक्ष लक्षेश्वर डेका ने अपना भाषण प्रदान किया। द्वीप प्रज्वलित सुचेन डेका ने की। विद्यालय के सेवानिवृत संस्थापक प्रधान शिक्षक ममत चंद्र डेका ने महान वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें याद किया। बैठक में विद्यालय के प्रधानाचार्य पद्मकांत डेका, सामाजिक कार्यकर्ता प्रफुल्ल विश्वास, आमसू नेता जहरुल इस्लाम और सामाजिक कार्यकर्ता अवंती डेका शामिल हुए। संघ के सदस्यों द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। अखिल असम कृषक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष तुलसी डेका ने कहा कि ब्रिटिश शासन के विरुद्ध आंदोलन कर वर्ष 1931 के मार्च 23 में लाहौर के केंद्रीय कारागार में प्राणों की आहूति देनेवाले महान वीर शहीद के रूप में इतिहास रचनेवाले शहीद भगत सिंह, शुखदेव थापर और शिवराज हरि राजगुरु को मेरा कोटी कोटी नमन है। उन्होंने देश प्रेम पर उनके त्याग का वर्णना की। सैकड़ों युवक-युवतियों की उपस्थिति में सभी ने देश प्रेम वीर शहीदों को स्मरण किया। मोरीगांव नेहरु युवा केंद्र और जीवन सेउजी कृषक संघ का ओर आयोजित कार्यक्रम का सभी ने प्रशंसा की।

विश्वनाथ : दा व्हाइट हिल में होली मिलन समारोह संपन्न

विधायकों समेत पौरपति व वरिष्ठ नागरिकों को राजस्थानी पगड़ी पहनाकर स्वागत

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ चारिआलि शहर के विश्वनाथन घाट रोड में स्थित दा व्हाइट हिल रेसिडेंट के अंतर्गत मिलेनियाम मार्केट में गत दिन होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस होली मिलन समारोह में विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में विश्वनाथ के विधायक प्रमोद बरठाकुर, बिहाली के विधायक विनोद दिगंत घाटोवाल, विश्वनाथ चारिआलि नगरपालिका के अध्यक्ष अमर ज्योति बरठाकुर, विश्वनाथ के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला मुख्य मार्ग प्रमुख व सुचिकित्सक डॉ. सरजीत दास, पाभोई चाय बागान के प्रबंधक भरत सिंह राठौड़, समाजसेवी रवीन्द्र सिंह, प्रभुनाथ सिंह, शंकरलाल पारीक ने शिरकत की। इन अतिथियों को होली मिलन समारोह के मुख्य आयोजक

कर्ता व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विश्वनाथ जिला व्यवस्थापक प्रमुख छत्तर सिंह पंवार ने राजस्थानी पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। इसके बाद उपस्थित लोगों ने एक दूसरे को गले मिलाकर अभिनंदन किया। सभी को अबीर का तिलक लगाकर तथा गुलाब फूलों के गुच्छे से स्वागत किया गया। तत्पश्चात होली मिलन समारोह के मौके पर महिलाओं ने जमकर नृत्य भी की। इस मौके पर आमंत्रित गायक ने अपने गीतों से समां बांधा।

बंगाईगांव में माहेश्वरी महिला मंडल ने निकाली विशाल गणगौर रैली

बिजनी। बंगाईगांव की धार्मिक सामाजिक संस्था माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गणगौर की विशाल रैली निकाली गई इसमें समाज की अधिकतर महिलाओं ने हिस्सा लिया। तथा गाजे-बाजे के साथ राम मंदिर से शुरू हुई शोभायात्रा मायापुरी चौक, पगला स्थान से होती हुई मारवाड़ी युवा मंच तक बड़े ही धूमधाम से पहुंचीं। शोभायात्रा के दौरान महिलाओं एवं युवतियों ने भजनों पर नृत्य किया। इससे पहले महिलाओं ने मंगल गीत गाते हुए गणगौर को सिर पर धारण किया और अपने परिवार के साथ-साथ नगर और देश के कल्याण के लिए माता गणगौर और ईसर जी से प्रार्थना की। इसमें कुंवारी कन्या से लेकर, शादीशुदा तक सब भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा करती हैं। ऐसी मान्यता है कि शादी के बाद पहला गणगौर पूजन मायके में किया जाता है। इस पूजन का महत्व अविवाहित कन्या के लिए, अच्छे वर की कामना को लेकर रहता है जबकि, शादीशुदा महिला अपने पति की लंबी उम्र के लिए ये व्रत करती है। इस दिन महिलाएं सोलह श्रृंगार कर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजन अर्चना करेंगी। मान्यता है कि बड़ी गणगौर के दिन जितने गहने यानी गुने माता पार्वती को अर्पित किए जाते हैं, उतना ही घर में धन-वैभव बढ़ता है।

ग्वालपाड़ा में सैनिक पर पत्नी की हत्या का आरोप

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिले के हुरारतेक में एक महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई है। मृतका की पहचान बंगाईगांव जिले के मानिकपुर सालाबिला की रहने वाली सालेहा बेगम के रूप में हुई है। उनके परिवार ने रविवार को मृतका के पति और सेना के जवान खैरुल इस्लाम व उसके भाई इंजमुल हक पर हत्या का आरोप लगाया है। परिवार के अनुसार, 22 मार्च की रात करीब 9-40 बजे खैरुल इस्लाम और उसके सहयोगियों ने सालेहा को जोरजीबस्ती स्थित घर से जबरन ले गया। आरोप है कि खैरुल ने उसकी गला दबाकर हत्या कर दी और इसे सड़क दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की। परिजनों का दावा है कि हत्या संपत्ति विवाद और एक चार पहिया वाहन को लेकर की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि हत्या के बाद खैरुल ने जानबूझकर वाहन के शीशे और टायर को क्षतिग्रस्त कर इसे दुर्घटना दर्शाने का प्रयास किया।

धर्म और भक्ति का अलौकिक संगम : बरपेटा रोड में संपन्न हुआ तीन दिवसीय *नानी बाई का मायरो*

बरपेटारोड। बरपेटा रोड स्थित राधा कृष्ण ठाकुरवाड़ी प्रांगण में तीन दिवसीय *नानी बाई का मायरो* का भव्य आयोजन भक्तिमय वातावरण में विधिवत संपन्न हुआ। इस पावन आयोजन में प्रख्यात कथा वाचक पंडित मालीराम शास्त्री के मुखारविंद से भक्तों ने दिव्य कथा का रसास्वादन किया। संगीतमय कथा में श्रोताओं ने भाव-विभोर होकर नरसी जी और नानी बाई के अटूट भक्ति भाव को आत्मसात किया। कथा के अंतिम दिवस में शास्त्री ने नरसी और नानी बाई के संवाद को अत्यंत भावपूर्ण तरीके से प्रस्तुत किया। झांकियों के माध्यम से हर प्रसंग को सजीव किया गया, जिससे श्रद्धालुगण स्वयं को कथा का साक्षी मानने लगे। जब नानी बाई ने अपने पिता से मायरे में लाए गए उपहारों के बारे में पूछा और नरसी

जी ने अपनी निर्धनता व्यक्त की, तब उनका भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अटूट विश्वास दर्शाया गया। पारिवारिक उपेक्षा और तिरस्कार से व्यथित नानी बाई जब सरवरिया के पाल पर प्राण त्यागने पहुंची, तब स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने प्रकट होकर मायरा भरने का आश्वासन दिया। इस अलौकिक दृश्य को जीवंत झांकियों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण के 56 करोड़ के मायरे का दिव्य दृश्य देखकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। कार्यक्रम के विश्राम दिवस पर भगवान राधा कृष्ण को फूलों की होली खिलाई गई, जिसमें उपस्थित भक्तों ने भक्ति और आनंद में मग्न होकर नृत्य किया। कथा के समापन पर पंडित मालीराम शास्त्री ने भक्ति की महिमा और भगवान के प्रति अडिग विश्वास का संदेश दिया। इस आयोजन में गुवाहाटी, बरपेटा एवं आसपास के शहरों से आए भक्तों ने भाग लेकर आध्यात्मिक आनंद प्राप्त किया। इस भव्य आयोजन के सफल संचालन हेतु राधा कृष्ण ठाकुरवाड़ी के आयोजक श्री गोपाल राम जी अग्रवाल एवं शकुंतला देवी अग्रवाल (माया प्रोडक्ट) ने सभी श्रद्धालुओं का आभार प्रकट किया। अंत में पंडित श्री मालीराम जी शास्त्री ने भगवान श्री राधा कृष्ण से यजमान परिवार के उज्जवल भविष्य की मंगल कामना की और यह प्रार्थना की कि ऐसे ही भक्तिमय आयोजनों का क्रम सतत चलता रहे।

संपादकीय

नकली पर नकेल

लंबे समय से हरियाणा के किसान घटिया बीज व कीटनाशक बाजार में बेचे जाने के आरोप लगाते रहे हैं। जिसके चलते उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा था। एक तो इस बाबत बने कानून सख्त नहीं थे। वहीं निगरानी करने वाले तंत्र की काहिली भी मिलावटी कृषि इनपुट बेचने वालों के हौसले बुलंद कर रही थी। इस दिशा में हरियाणा सरकार ने सार्थक पहल की है। हरियाणा सरकार ने बीज अधिनियम, 1966 और कीटनाशक अधिनियम, 1968 में संशोधन करके नकली उत्पाद बेचने वाले अपराधी तत्वों पर नकेल कसने की कोशिश की है। निश्चय ही घटिया कृषि उत्पादों को रोकने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। दरअसल, नकली बीजों और घटिया कीटनाशकों के कारण किसानों को भारी नुकसान होने की रिपोर्ट बार-बार आ रही थी। जिसके आलोक में यह कदम सरकार ने उठाया है। इस सार्थक पहल में कड़े प्रावधानों के जरिये ऐसे अपराध को संज्ञेय और गैर जमानती बनाया गया है। यदि कोई व्यक्ति बार-बार ऐसा अपराध करता पाया जाता है तो उसके लिये सजा को कड़ा किया गया है। उल्लेखनीय है कि कई बार ऐसी करतूत करने वालों के लिये तीन साल की कैद और पांच लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान रखा गया है। यह कदम महत्वपूर्ण है क्योंकि पुराने कानून में सिर्फ पांच सौ रुपये से कम का जुर्माना निर्धारित था। जिसके चलते अपराधियों में किसी तरह का कानून का डर नहीं रह गया था। जिसके चलते कानून ऐसी गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने में सक्षम नजर नहीं आ रहा था। उल्लेखनीय है कि सख्त कानून के अभाव और नियामक तंत्र की कोताही के चलते लंबे समय से किसान ठगी के बाजार का खामियाजा भुगत रहे थे। हाल का एक चौंकाने वाला मामला टोहाना में प्रकाश में आया, जिसमें नकली कीटनाशकों के छिड़काव के चलते 60 एकड़ के खेतों में खड़ी धान की फसल नष्ट हो गई थी। इस प्रकार के नुकसान के स्तर से पता चलता है कि धांधली किस स्तर पर की जा रही है। वहीं दूसरी ओर सिरसा में भी ऐसा ही मामला प्रकाश में आया था, जहां किसानों को बिना उचित लेबलिंग के नकली उत्पाद बेचकर धोखा दिया गया। ये घटनाएं इस बात की आवश्यकता बता रही थी कि सरकार इस दिशा में तत्काल हस्तक्षेप करे। निश्चित रूप से नकली उत्पादों की बिक्री से किसानों को होने वाला नुकसान चौंकाने वाला है। वहीं दूसरी ओर किसानों द्वारा लाखों रुपये नुकसान होने पर जब रिपोर्ट दर्ज करायी जाती थी तो अकसर अपराधी मामूली दंड के साथ बच निकलते थे। उनकी धांधली की गतिविधियां फिर दूसरी जगह शुरू हो जाती थी। यही वजह थी कि पीड़ित किसानों को पर्याप्त मुआवजा या कोई अन्य सहारा नहीं मिल पाता था। लेकिन इसके साथ यह भी स्पष्ट है कि सिर्फ सख्त कानूनी प्रावधान ही इस तरह की मिलावटी कीटनाशकों व बीजों की बिक्री पर रोक लगाने में सक्षम होंगे, इस बात में संदेह हैं। इसके लिए जरूरी है कि औचक निरीक्षण और बेहतर शिकायत निवारण तंत्र स्थापित किया जाए। साथ ही कृषि विभाग के अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए। न्यायपालिका को भी इन नकली कृषि इनपुट बेचने वाले अपराधियों के मामले में त्वरित सुनवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। तभी ऐसे अपराधियों को कानून की खामियों का फायदा उठाने से रोका जा सकता है। वहीं दूसरी ओर किसानों को जागरूक करने के लिये पूरे हरियाणा में मुहिम चलाने की जरूरत है। दरअसल, यह भी एक हकीकत है कि बाजार में विश्वसनीय विकल्पों की कमी के कारण कई किसान अभी भी फर्जी विक्रेताओं के झांसे में आ जाते हैं। राज्य सरकार के बजट में हर जिले में बीज परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित करने का प्रावधान किया गया है। जो कि एक स्वागत योग्य कदम है। इसके अलावा कृषि उत्पाद बेचने वाले डीलरों को लेकर भी सतर्कता बरतने की जरूरत है। इसमें सख्त लाइसेंसिंग नियम मददगार हो सकते हैं। निश्चित रूप से नकली बीजों और कीटनाशकों पर कार्रवाई सिर्फ कानून तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए।

हरियाणा सरकार ने बीज अधिनियम, 1966 और कीटनाशक अधिनियम, 1968 में संशोधन करके नकली उत्पाद बेचने वाले अपराधी तत्वों पर नकेल कसने की कोशिश की है। निश्चय ही घटिया कृषि उत्पादों को रोकने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। दरअसल, नकली बीजों और घटिया कीटनाशकों के कारण किसानों को भारी नुकसान होने की रिपोर्ट बार-बार आ रही थी। जिसके आलोक में यह कदम सरकार ने उठाया है। इस सार्थक पहल में कड़े प्रावधानों के जरिये ऐसे अपराध को संज्ञेय और गैर जमानती बनाया गया है। यदि कोई व्यक्ति बार-बार ऐसा अपराध करता पाया जाता है तो उसके लिये सजा को कड़ा किया गया है। उल्लेखनीय है कि कई बार ऐसी करतूत करने वालों के लिये तीन साल की कैद और पांच लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान रखा गया है। यह कदम महत्वपूर्ण है क्योंकि पुराने कानून में सिर्फ पांच सौ रुपये से कम का जुर्माना निर्धारित था। जिसके चलते अपराधियों में किसी तरह का कानून का डर नहीं रह गया था।

कर्नाटक सरकार के इस निर्णय ने भाजपा को कांग्रेस और मुसलमानों के खिलाफ फिर से नया हथियार थमा दिया

मुस्लिम आरक्षण का मोह नहीं छोड़ पा रही है कांग्रेस

योगेंद्र योगी

भाजपा ने कांग्रेस के जरिए मुसलमानों को भी घेरने में कसर बाकी नहीं रखी। ऐसे में बेवजह राजनीति में घसीटे गए मुसलमानों की मुश्किलें बढ़ गई। मुसलमान कांग्रेस के दिखावटी वोट प्रेम का विरोध नहीं कर सके और भाजपा के निशाने पर आ गए। कांग्रेस ने कर्नाटक में मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण देकर फिर से विवाद खड़ा कर दिया। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस वाकई मुसलमानों का भला चाहती हो, यदि ऐसा ही होता तो मुस्लिम आबादी का बड़ा तबका आज देश के विकास में आगे होता। जबकि लंबे वक्त तक देश में कांग्रेस का शासन रहा है। कर्नाटक सरकार ने सरकारी टेंडर में अब टेंडर भरने वाले मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण दे दिया। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कैबिनेट मीटिंग इस प्रस्ताव को मंजूर भी कर लिया। इससे एक करोड़ रुपये तक की निविदाओं में मुस्लिम ठेकेदारों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण का रास्ता साफ हो गया।

कांग्रेस ने शायद ठान ली है कि चाहे कुछ भी कीमत क्यों न चुकानी पड़े पर वोट बैंक के लिए मुसलमानों से प्रेम कम नहीं होने वाला। ऐसे ही कारणों से कांग्रेस न सिर्फ केंद्र की सत्ता से बल्कि ज्यादातर राज्यों में भी सत्ता से बाहर है। दूसरे शब्दों में कहें तो कांग्रेस के कथित मुस्लिम प्रेम ने भारतीय जनता पार्टी का सत्ता का रास्ता आसान कर दिया। कांग्रेस की इस नीति ने खुद को तो दरबदर कर ही दिया, इससे देश के मुसलमानों को नुकसान पहुंचाया। मुसलमानों को बेवजह देश के प्रति वफादारी जाहिर करने पर मजबूर होना पड़ा। भाजपा ने कांग्रेस के जरिए मुसलमानों को भी घेरने में कसर बाकी नहीं रखी। ऐसे में बेवजह राजनीति में घसीटे गए मुसलमानों की मुश्किलें बढ़ गई। मुसलमान कांग्रेस के दिखावटी वोट प्रेम का विरोध नहीं कर सके और भाजपा के निशाने पर आ गए। कांग्रेस ने कर्नाटक में मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण देकर फिर से विवाद खड़ा कर दिया। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस वाकई मुसलमानों का भला चाहती हो, यदि ऐसा ही होता तो मुस्लिम आबादी का बड़ा तबका आज देश के विकास में आगे होता। जबकि लंबे वक्त तक देश में कांग्रेस का शासन रहा है। कर्नाटक सरकार ने सरकारी टेंडर में अब टेंडर भरने वाले मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण दे दिया। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कैबिनेट मीटिंग इस प्रस्ताव को मंजूर भी कर लिया। इससे एक करोड़ रुपये तक की निविदाओं में मुस्लिम ठेकेदारों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण का रास्ता साफ हो गया। कांग्रेस के इस फैसले से राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया। कर्नाटक सरकार के इस निर्णय ने भाजपा को कांग्रेस और मुसलमानों के खिलाफ फिर से नया हथियार थमा दिया। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया है। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कर्नाटक सरकार द्वारा मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण का प्रस्ताव राहुल गांधी के पूर्ण संरक्षण में पारित किया गया है। हम यह पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता पर निशाना साधते हुए प्रसाद ने कहा कि कर्नाटक सरकार का कदम राहुल गांधी की मानसिकता को दर्शाता है। ऐसा नहीं है कि कर्नाटक के जरिए देशभर के मुसलमानों के प्रति मोहब्बत दर्शाने का कांग्रेस का यह पहला

मौका है, इससे पहले भी कर्नाटक में मुस्लिमों के आरक्षण को लेकर विवाद रहा है। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने आरक्षण का लाभ देने के लिए मुसलमानों को पिछड़ा वर्ग की लिस्ट में शामिल किया था। सरकार ने मुसलमानों को ओबीसी लिस्ट में जगह दी। हालांकि, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने सरकार के इस फैसले की आलोचना की थी। आयोग ने कहा था कि इस फैसले ने सामाजिक न्याय के सिद्धांत को कमजोर कर दिया है। साल 2011 की जनगणना के मुताबिक, कर्नाटक राज्य में मुस्लिम की जनसंख्या 12.32 फीसदी है और उसे राज्य में अल्पसंख्यक समुदाय का दर्जा हासिल है। मध्य प्रदेश की चुनावी रैली के दौरान पीएम मोदी ने कांग्रेस को ओबीसी समुदाय का सबसे बड़ा दुश्मन करार देते हुए कहा था कि एक बार फिर कांग्रेस ने पिछले दरवाजे से ओबीसी के साथ सभी मुस्लिम जातियों को शामिल करके कर्नाटक में धार्मिक आधार पर आरक्षण दिया है। विवाद बढ़ा तो कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि यह दावा करना कि कांग्रेस ने पिछड़े वर्गों से मुसलमानों को आरक्षण ट्रांसफर कर दिया, एक सरासर झूठ है। उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा अभी भी मुसलमानों के लिए कोटा के अपने समर्थन पर कायम हैं या नरेंद्र मोदी के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। गौरतलब है कि यह आरक्षण पहली बार 1995 में एचडी देवेगौड़ा की जनता दल ने कर्नाटक में लागू किया था। दिलचस्प बात यह है कि देवगौड़ा की जद (एस) अब बीजेपी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सहयोगी है। कर्नाटक सरकार के 14 फरवरी, 1995 के एक आदेश में जिक्र किया गया जिसमें बताया गया कि यह निर्णय चिन्नप्पा रेड्डी आयोग की रिपोर्ट के आधार पर लिया गया है और आरक्षण को 50 प्रतिशत तक सीमित करने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का पालन करता है। कांग्रेस ही नहीं किसी न किसी बहाने मुस्लिम वोट बैंक पर गैरभाजपा दलों की भी खीचतान रही है। विपक्षी दलों का प्रयास रहा है कि किसी भी तरह यह अल्पसंख्यक वोट बैंक छिटकना नहीं चाहिए, यही वजह है कि साफ तौर पर धर्म के आधार पर आरक्षण को राजनीति का मोहरा बनाया गया। केरल में ओबीसी को 30 प्रतिशत आरक्षण मिलता है, जिसमें मुस्लिम समुदाय को नौकरियों में 8 प्रतिशत और उच्च शिक्षा में 10 प्रतिशत कोटा प्रदान किया गया। तमिलनाडु में पिछड़े वर्ग के मुसलमानों को 3.5 प्रतिशत आरक्षण मिलता है, जिसमें मुस्लिम समुदाय की 95 प्रतिशत जातियां शामिल हैं। इसी तरह बिहार में ओबीसी को 32 प्रतिशत आरक्षण मिलता है, जिसमें मुस्लिम समुदाय को 4 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया गया है। आंध्र प्रदेश में मुस्लिम समुदाय को आरक्षण देने की कोशिश की गई थी, लेकिन कोर्ट ने इसे रद्द कर दिया। मामला अभी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। पश्चिम बंगाल में कुछ मुस्लिम जातियों को शामिल किया गया लेकिन अलग से कोटा नहीं दिया गया। उत्तर प्रदेश में भी 2005 में मायावती सरकार ने 18 प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण का प्रस्ताव रखा, लेकिन कोर्ट ने रोक दिया। सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन के कारण आरक्षण का प्रावधान कानूनी है। इसकी भी सीमा है। सुप्रीम कोर्ट ने ५० प्रतिशत से अधिक आरक्षण के मामलों को खारिज किया है। इसके बावजूद राजनीतिक दलों का आरक्षण के प्रति लोभ संवरण कम नहीं हुआ। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दल आरक्षण के जरिए वाकई मुसलमानों का भला चाहते हों, दरअसल इनकी नीयत में खोट है। यह खोट वोट बटोरने का है। क्षेत्रीय दलों का राजनीतिक दायरा एक या दो राज्यों से अधिक नहीं है, किन्तु कांग्रेस का नेटवर्क देशभर में है। ऐसे में मुस्लिमों के मुद्दों को लेकर कांग्रेस को सर्वाधिक राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ी है। भाजपा ने इसी आधार पर वोटों का धुरवीकरण किया है। पता नहीं यह बात कांग्रेस को कब समझ आएगी कि देश के बहुसंख्यक वोट बैंक को नाराज करके देश की सत्ता किसी भी सूरत में हासिल नहीं की जा सकती।

दृष्टि कोण

पानी के संरक्षण में कारगर जन-जन की भागीदारी

भारत आबादी के हिसाब से सबसे बड़ा देश है। दुनिया की 18 प्रतिशत आबादी हमारे देश में रहती है। वहीं जब हम साफ पानी की बात करते हैं तो पानी को लेकर स्थिति उतनी अनुकूल नहीं, जितनी नजर आती हैं। इस प्रसंग में बता दें कि ब्राजील में दुनिया में सबसे ज्यादा साफ पानी मौजूद है। जबकि खाड़ी के मुल्क कुवैत में सबसे कम साफ पानी है। जबकि भारत साफ पानी को लेकर आठवें स्थान पर है जहां 1911 अरब क्यूबिक मीटर पानी उपलब्ध है। पानी की कमी से सबसे ज्यादा प्रभावित दुनिया के 20 शहरों की सूची में पांच शहर भारत के हैं। दूसरे स्थान पर दिल्ली, छठे स्थान पर कोलकाता, 18वें स्थान पर चेन्नई, 19वें में स्थान पर बेंगलुरु और 20वें में स्थान पर हैदराबाद है। बेंगलुरु में पिछले साल मार्च महीने में गंभीर जल संकट पैदा हुआ जिसका प्रमुख कारण वर्षा की कमी और कावेरी नदी में जल स्तर का गिरना था, जिससे शहर के कई बोरवेल सूख गए थे। बेंगलुरु में तेजी से हो रहे शहरीकरण और जल निकायों पर अतिक्रमण ने भी स्थिति को और गंभीर बना दिया था। हमारे देश में बड़ी तेजी से लोग रोजगार के लिए, जीवन स्तर में सुधार की चाहत बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए गांवों से निकलकर शहरों की ओर आ रहे हैं। जिस कारण हमारे शहरों पर साफ पानी और सीवरेज व्यवस्था को लेकर अत्यधिक दबाव बनता जा रहा है। जल संकट से निपटने के लिए भारत में जल जीवन मिशन एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका लक्ष्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार को नल के माध्यम से स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना है। इस मिशन की सफलता जनभागीदारी पर निर्भर करती है, क्योंकि केवल सरकार के प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। यदि लोग जल संरक्षण को अपनी जिम्मेदारी समझें, तो इस अभियान की सफलता सुनिश्चित की जा सकती है। जल जीवन मिशन के तहत जल गुणवत्ता की निगरानी, सामुदायिक भागीदारी, प्रशिक्षण और सूचना प्रसार जैसी पहल की गई हैं। गांव जल एवं सीवरेज समितियों को जल आपूर्ति योजनाओं के संचालन और प्रबंधन में विशेष

भूमिका दी गई है। यह पहल केवल जल आपूर्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि जल संरक्षण को लेकर एक सामूहिक सोच विकसित करने की दिशा में भी कार्य कर रही है। इसके अलावा, अमृत सरोवर योजना जल संरक्षण की दिशा में एक और प्रभावी कदम है, जिसके तहत देशभर में 50,000 से अधिक जलाशयों का निर्माण और पुनर्जीवन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य भूजल स्तर को पुनः भरना, कृषि क्षेत्र को जल आपूर्ति सुनिश्चित करना और स्थानीय समुदायों को जल संरक्षण में भागीदार बनाना है। यदि प्रत्येक गांव-कस्बे में लोग अपने क्षेत्र के जल स्रोतों की देखभाल के लिए आगे आएं, तो यह योजना जल संकट से निपटने में कारगर हो सकती है। जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा में वर्ष 2020 में जल संसाधन प्राधिकरण का गठन किया गया है जो राज्य में जल संरक्षण, प्रबंधन और विनियमन के लिए समर्पित है। इस प्राधिकरण ने आमजन को जागृत करने के लिए एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें प्रदेश के प्रत्येक गांव के भूजल स्तर का ब्योरा है कि वर्ष 2010 में कितना था और 2020 में कितना। हरियाणा के 7287 गांवों में से 1948 गांव अत्यधिक भूजल संकटग्रस्त गांव की श्रेणी में आते हैं जो चिंता का विषय है। हरियाणा में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग और इसका जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन जल संरक्षण को लेकर जागरूक कर रहे हैं। हरियाणा में जल संरक्षण को लेकर 1 अप्रैल, 2025 से एक और पहल की जा रही है। ग्रामीण पेयजल आपूर्ति प्रणालियों के संचालन और रखरखाव के लिए सामुदायिक साझेदारी के आधार पर 4,713 एकल गांव जलापूर्ति पंचायत को देने जा रही है। जिसमें ग्राम जल एवं सीवरेज समिति की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। वहीं अब स्वयं सहायता समूह की सदस्य गांव में पेयजल आपूर्ति में अहम भूमिका निभएंगी। दरअसल, जनभागीदारी के बिना जल संरक्षण की दिशा में सफलता नहीं मिल सकती। सरकारें योजनाएं बना सकती हैं, वित्त आवंटित कर सकती हैं। मगर लोगों की भागीदारी से ही धरातल पर योजनाएं काम कर पाएंगी।

कुछ अलग

महावीर स्वामी की शिक्षाओं से क्या सीखें

बाजार की भीड़ में, ट्रैफिक के शोर में, भागते समय के पहियों के नीचे, क्या कभी रुक कर हमने अपने भीतर झांकने की कोशिश की है? जिस आत्मा के साथ हम इस दुनिया में आए, क्या वह आत्मा अब भी वैसी ही शांत, निर्मल और उज्ज्वल है? शायद नहीं। और यही वह क्षण है जब महावीर स्वामी की वाणी की गूंज हमें भीतर तक झकझोर देती है। उन्होंने ही कहा था- "परिग्रह (मोह, लोभ) ही दुखों की जड़ है।" महावीर स्वामी, जिनका जन्म राजमहलों में हुआ, उन्होंने वह सबकुछ त्याग दिया, जिसे हम जीवन की उपलब्धि मानते हैं। क्यों? क्योंकि उन्होंने जान लिया था कि बाहरी दुनिया की दौलत हमें भीतर की शांति नहीं दे सकती। आज हम भी उन्हीं महलों के नए रूप – बड़ी गाड़ियां, मोबाइल, चमकदार कपड़े, सोशल मीडिया की वाहवाही आदि में उलझे हैं। लेकिन क्या इन सबसे हमें सच्चा सुकून मिलता है? शायद नहीं। महावीर की पहली और सबसे बड़ी शिक्षा है – "अहिंसा परमो धर्मः" हम सोचते हैं, "मैंने किसी को मारा नहीं, तो मैं अहिंसक हूं।" लेकिन क्या यह पूरा सच है? हमारी वाणी की हिंसा – किसी को कटु बोल देना, किसी का अपमान कर देना, किसी की निंदा करना – ये सब हिंसा नहीं है क्या? आज के इस असहिष्णु समय में, जहाँ छोटी-छोटी बातों पर रिश्ते टूट रहे हैं, वहां अगर हम केवल महावीर की अहिंसा को जी लें, तो दुनिया कितनी सुंदर हो सकती है। अहिंसा केवल तलवार न उठाना नहीं है, विचारों, वाणी और व्यवहार से किसी को आहत न करना भी अहिंसा है। दूसरी महत्वपूर्ण सीख है – "सत्य"। महावीर कहते हैं, "जीवन में जो भी कहो, सोच-समझ कर कहो, और वही कहो जो सच हो।" लेकिन क्या हम ऐसा करते हैं? हम अपने बच्चों से, मित्रों से, जीवन साथी से, ऑफिस में – हर जगह झूठ का सहारा लेते हैं। कभी डर के कारण, कभी अपने स्वार्थ के कारण। पर क्या यह झूठ हमें सुख देता है? नहीं। हर झूठ के पीछे छिपा डर, हमारी आत्मा को कचोटता रहता है। सत्य की राह पर चलकर ही मन हल्का, शांत और मुक्त होता है। महावीर की तीसरी शिक्षा है – "अपरिग्रह" (त्याग) आज की दुनिया में हम जितना जमा करते हैं, उतने ही उलझते जाते हैं। मकान, गाड़ी, पैसे, कपड़े, गहने... सब जमा करते हैं, फिर भी मन खाली है। महावीर कहते हैं, "जितना छोड़ोगे, उतना ही हल्के हो जाओगे।" क्या आपने कभी पुराने कपड़े, बेकार सामान, फालतू की चीज़ें दान की हैं? उस खालीपन में जो सुकून है, वही असली धन है। आज अगर हम अपने जीवन से "फालतू" चीज़ें – न केवल भौतिक वस्तुएं, बल्कि बेकार की सोच, गुस्सा, नफरत – हटा दें, तो हमारे पास एक खाली, सुंदर जगह बचती है, जहां शांति का वास हो सकता है। संयम, महावीर की चौथी शिक्षा है। आज हमारी दुनिया असंयम की दुनिया बन चुकी है – खाने में, बोलने में, खर्च करने में, रिश्तों में। हर चीज़ 'तुरंत चाहिए' की दौड़ में हम संयम खो चुके हैं। अगर हम बोलने में संयम रखें, तो न लड़ाई होगी, न रिश्ते टूटेंगे। खाने में संयम रखें, तो शरीर स्वस्थ रहेगा। पैसों के खर्च में संयम रखें, तो चिंता नहीं होगी। महावीर की ये पंक्तियां हमें रोज याद करनी चाहिए- "मनुष्य खुद अपने भाग्य का निर्माता है।

देश दुनीया से

सब्सिडी कवच लैस अमेरिकी उत्पादों से व्यापार युद्ध

एन्न वेनमैन (जिनका कार्यकाल जॉर्ज बुश जूनियर के समय 2001-2005 तक था) से शुरू होकर कुछ इसी किस्म का दोगलापन अमेरिका के एक के बाद एक आए कृषि मंत्री समय-समय पर दिखाते रहे हैं। मुझे याद आ रहा है कि किस प्रकार उन्होंने वाशिंगटन डीसी में अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान (आईएफपीआरआई) में अपने संबोधन में बेशर्मी से विश्व बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री की उस मूर्खतापूर्ण दलील (जो कि हास्यास्पद भी थी) का समर्थन किया, जिसमें भारत कृषि मंडी को जबरदस्ती खोलने की बात कही गई थी। दरअसल, एक समय ऐसा भी आया जब अमेरिका के कम-से-कम 14 कृषि फसल निर्यात समूहों ने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) को पत्र लिखकर भारत में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के नाम पर फसल-विशेष को दिए जाने वाले मूल्य संरक्षण की ऊपरी सीमा तय करवाने की मांग की ताकि अमेरिकी निर्यात की भारत में राह खुल सके। इसलिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शुरू किए गए अवांछित व्यापार युद्ध से मैं हैरान नहीं हूं। यह एकदम जाहिर है कि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में लंबे समय तक चली बहुपक्षीय वार्ताओं से जो कुछ अमेरिका हासिल नहीं कर पाया, उसकी प्राप्ति के वास्ते अब ट्रंप की अरबपति मित्र मंडली विकासशील देशों को घुटनों पर लाने की गलत सलाह दे रही है। लेकिन कई प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं अब अवज्ञा में खड़ी होने लगी हैं, मैं नहीं चाहूंगा कि भारत ऐसा कुछ दिखाए कि यदि उसे कुछ झुकने के लिए कहा जाए, तो ऐसा आभास दे कि वह रेंगने तक को राजी है। यहां मैं एक और कहानी सुनाना चाहूंगा। कुछ साल पहले, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने टिप्पणी की थी कि चीन के 'खराब मानवाधिकार रिकॉर्ड' के कारण अमेरिका उसके साथ व्यापार नहीं करेगा। अगले दिन मैंने संयोग से बीबीसी टीवी चैनल चालू किया, जहां एक पत्रकार तत्कालीन चीनी राष्ट्रपति से पूछ रहा था: 'अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा व्यापार रोकने वाली धमकी पर आपकी क्या प्रतिक्रिया है।' उनका जवाब भी उतना ही रूखा था: 'अमेरिका के साथ व्यापार? जब हमने 4,000 साल से ज़्यादा अमेरिका के साथ व्यापार किया ही नहीं, तो इससे अब क्या फ़र्क पड़ने वाला है?' इस बयान के अगले दिन ही अमेरिकी व्यापार और उद्योग जगत अपने राष्ट्रपति द्वारा चीन के साथ व्यापार बंद करने के आह्वान के विरुद्ध लामबंद हो गया। आखिरकार बिल क्लिंटन को घरेलू उद्योग लॉबी के सामने झुकना पड़ा और उन्होंने फिर कभी इस मुद्दे को नहीं छेड़ा। नए टैरिफ युद्ध वाले मुद्दे पर फिर से लौटेते हैं, भारत में अमेरिकी कृषि उत्पादों के प्रवेश पर नियंत्रण व्यवस्था होने की वजह से ट्रम्प हमारी आलोचना वैश्विक 'टैरिफ किंग' का ठप्पा लगाकर कर सकते हैं (अमेरिका के 5 प्रतिशत आयात शुल्क के मुकाबले भारत का औसतन आयात शुल्क लगभग 39 प्रतिशत है), लेकिन वास्तविकता यह है जो शुल्क भारत ने लगा रखा है, वह विश्व व्यापार संगठन के उस प्रावधान के अनुरूप है जिसमें टैरिफ दर किसी देश के विकास की श्रेणी और व्यापार संहिता में वर्णित 'विशेष एवं विभेदक व्यवहार' नामक आकलन के आधार पर है, सनद रहे कि भारत किसी भी अवस्था में विश्व व्यापार संगठन द्वारा निर्धारित प्रावधानों का उल्लंघन नहीं कर रहा। भारत के अपेक्षाकृत उच्च शुल्क उक्त संगठन के नियमन में अंतर्निहित व्यापारिक सिद्धांतों पर आधारित हैं, न कि किसी की व्यक्तिगत सनक अथवा कल्पना से चालित। दूसरी ओर, वास्तव में समस्या अमेरिका द्वारा कृषि के लिए दी जाने वाली भारी सब्सिडी है। इतनी ज्यादा कि 21 जुलाई, 2006 की फाइनेंशियल टाइम्स में लिखते हुए, यूरोपीय संघ के तत्कालीन व्यापार आयुक्त पीटर मैंडेलसन ने स्पष्ट रूप से कहा कि विकासशील देशों का कहना है कि वे अमेरिका के कृषि उत्पाद अधिक आयात करने को तो राजी हैं, लेकिन अमेरिकी कृषि सब्सिडी नहीं। इस बाबत उन्होंने भारत के तत्कालीन वाणिज्य मंत्री कमल नाथ को उद्धृत किया था: 'हमें अमेरिकी किसानों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में कोई एतराज नहीं, लेकिन अमेरिकी खजाने का मुकाबला हम नहीं कर पाएंगे।' सालों-साल अमेरिका ने अपनी कृषि के इर्द-गिर्द बनाए गए भारी सब्सिडी रूपी सुरक्षा दुर्ग को और मजबूत ही किया है। अमेरिकी कृषि विभाग की आर्थिक अनुसंधान सेवा के अनुसार, किसानों और पशुपालकों को प्रत्यक्ष सरकारी कृषि कार्यक्रम के तहत दी जानी वाली सीधी वित्तीय सहायता 2025 में 42.4 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जबकि 2024 के लिए पूर्वानुमान 9.3 बिलियन डॉलर का था। प्रति किसान गणना के आधार पर, अमेरिका अपने हरेक किसान की 26.8 लाख रुपये सालाना जितनी वित्तीय मदद करता है। उदाहरणार्थ, विशेष तौर कपास का मुद्दा, जो कि विश्व व्यापार संगठन वार्ताओं में विवाद का एक मुद्दा बना हुआ है। 2021 में अमेरिका में कपास बिजाई के तहत औसत क्षेत्र 624.7 हेक्टेयर था, और इसको उगाने वाले किसान महज 8,103 थे जिन्हें अमेरिका ने अत्यंत भारी-भरकम सब्सिडी दी (जबकि भारत में कपास की खेती में 98.01 लाख किसान लगे थे)। नई दिल्ली स्थित विश्व व्यापार संगठन के अध्ययन केंद्र द्वारा की गई गणना बताती है कि 2021 में अमेरिकी कपास कृषक को 117,494 डॉलर सालाना वित्तीय सहायता मिली, वहीं इसकी तुलना में, भारत में कपास उगाने वाले किसान को महज 27 डॉलर की मदद मिल पाई। आइए इस पर नज़र डालें कि एग्रीगेट मेज़र ऑफ सपोर्ट (एएमएस) फार्मूला के साथ अमेरिका और यूरोपियन संघ फसल-विशेष की मदद कैसे करते हैं। व्यापार समझौता वार्ताओं के दौरान, अमीर एवं विकसित देश बहुत चतुराई के साथ यह सुनिश्चित करने में कामयाब रहे कि विकासशील देशों के लिए रखी गई 10 प्रतिशत गैर-न्यूनतम सीमा के बनिस्बत अमीर देश अपने लिए उच्च व्यावसायिक मूल्य वाली मुट्ठी भर फसलों के लिए ऊपरी सीमा (5 प्रतिशत अधिकतम) मद वितरित करने में सफल रहे। उदाहरण के लिए कपास का मामला लें। जहां यूरोपीय संघ ने 2006 में कपास के लिए 139 प्रतिशत सब्सिडी सहायता प्रदान की थी, वहीं इससे पांच साल पहले यानी 2001 में, अमेरिका ने विकसित देशों के लिए रखी सीमा के अलावा अतिरिक्त 74 प्रतिशत सहायता अपने कपास किसानों को दी थी। कृषि आयातों पर कम टैरिफ केवल एक दिखावाभर है कि अमेरिकी कृषि एक खुला बाजार है। लेकिन बारीकी से देखने से पता चलता है कि अमेरिका ने आयात पर नकेल कसने के लिए 9,000 से अधिक गैर-टैरिफ बाधाएं (भारत द्वारा 600 के मुकाबले) खड़ी कर रखी हैं।

आप का नजरीया

खाली हाथ किसान

खेती किसानी से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर किसानों के एक घटक द्वारा तेरह माह से चलाए जा रहे आंदोलन का बलपूर्वक समापन एक अच्छी स्थिति कदापि नहीं की जा सकती। हालांकि यह भी तय था कि यह आंदोलन अनिश्चितकाल के लिये नहीं चलाया जा सकता था। लेकिन चंडीगढ़ में केंद्रीय मंत्रियों की उपस्थिति में बात न बनने के बाद पंजाब सरकार की बलपूर्वक की गई कार्रवाई से धरना स्थल को खाली करवाने व किसान नेताओं की गिरफ्तारी से किसानों में रोष स्वाभाविक ही है। निर्विवाद रूप से लंबे समय से खनौरी व शंभू बॉर्डर से जुड़े राजमार्ग के बाधित होने से यात्रियों व कारोबारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। वहीं सरकार ने भी इस आधार पर अपनी कार्रवाई को तार्किक बताया है कि दो प्रमुख राजमार्गों के लंबे समय तक बंद रहने से उद्योग और व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हो रहे थे। निजी वाहनों को भी लंबे रास्तों से सफर तय करने में अधिक समय व पेट्रोल खर्च करना पड़ रहा था। वहीं किसान नेताओं का आरोप है कि उन्हें आंदोलन करने के उनके लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित करने का कदम दमनकारी है। जैसा कि उम्मीद थी, विपक्षी राजनीतिक दलों ने इस मुद्दे पर बयानबाजी शुरू कर दी है। लेकिन एक बात तो तय है कि किसान संगठन व सरकारें विभिन्न मुद्दों पर आम सहमति बनाने में सफल नहीं हो पाए हैं। जिसके चलते राज्य सरकार व किसान संगठनों में अविश्वास व टकराव बढ़ा है। विडंबना यह भी है कि किसान संगठनों में मांगों को लेकर खासे मतभेद हैं। यदि सभी संगठन एमएसपी के मुद्दे पर एकजुट होकर केंद्र सरकार पर दबाव बनाते तो शायद कोई सार्थक समाधान निकल पाता। लेकिन इसके विपरीत किसान संगठन आपस में ही उलझते रहे। यही वजह है कि किसान संगठनों के घटते जनसमर्थन को देखते हुए राज्य सरकार ने सख्त रुख अपनाया। जबकि केंद्र सरकार भी इस मुद्दे के प्रति गंभीर नजर नहीं आयी। जरूरी है कि केंद्र व राज्य सरकारें किसानों के मुद्दों पर किंतु-परंतु की नीति को त्यागकर समयबद्ध तरीके से कृषि संकट को दूर करने के लिये दृढ़ प्रतिबद्धता से बातचीत करें। विभिन्न मांगों पर लचीला रवैया दोनों पक्षों के लिये लाभकारी साबित हो सकता है। यह समय किसान संगठनों के लिये भी आत्ममंथन करने का है। उन्हें तीन कृषि सुधारों के विरोध में वर्ष 2020-21 में दिल्ली की सीमा पर चले लंबे किसान आंदोलन के खराब संचालन से भी सबक लेना चाहिए। हालांकि, तीन प्रस्तावित कृषि कानून अंततः स्थगित कर दिए गए, लेकिन सैकड़ों किसानों को अपनी जान भी गंवानी पड़ी। इसके बावजूद फसलों की एमएसपी हेतु कानून बनाने में विफलता ही हाथ लगी। निस्संदेह, लंबे किसान आंदोलन से पंजाब के कारोबार को दांव पर नहीं लगाया जा सकता, लेकिन ध्यान रहे कि कृषि पंजाब की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रही है। ऐसे में सभी को साथ लेकर सुलह-सफाई करने के लिये गंभीर प्रयासों की जरूरत है। यदि ऐसा न होने पर राज्य में अशांति बढ़ती है तो वित्तीय संकट से जूझते पंजाब को और मुश्किलों का सामना करना होगा।

महाराणा सांगा पर दिए बयान को लेकर देश से माफी मांगें सपा सांसद : शेखावत

जयपुर/नई दिल्ली (हिंस)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने महाराणा सांगा को लेकर दिए बयान पर समाजवादी पार्टी सांसद रामजी लाल सुमन से माफी मांगने के लिए कहा है। शेखावत ने कहा कि सुमन ने अपरोक्ष रूप से बता दिया है कि उनकी पार्टी के संस्कार कैसे हैं? शेखावत ने तंज कसा कि अपने माथे का तिलक पोंछने वाले, जाने किस आईने में सूरत देखते हैं। उन्होंने कहा कि महाराणा सांगा को गद्दार कहना केवल और केवल तुष्टीकरण की ओछी राजनीति है। यह उस विशेष वर्ग को खुश करने की तुच्छ चेष्टा है, जो आक्रांताओं को अपना हीरो मानता है। शेखावत ने कहा कि जिन्होंने गुंडागर्दी को जनसेवा जाना, उन नेताओं की पार्टी का सांसद क्या जाने कि मातृभूमि रक्षार्थ तन पर 80 घाव लेकर भी आक्रांताओं को उनकी जगह बताना क्या होता है? केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सपा सांसद को अपनी पार्टी से मिले निर्देश को भूलकर चिंतन करना चाहिए और अखिल भारत के नायक महाराणा सांगा के प्रति अत्यंत निम्न टिप्पणी के लिए पूरे देश से क्षमा मांगनी चाहिए।

पलवल में तीन तलाक का मामला, पति समेत 8 लोगों पर केस दर्ज

पलवल (हिंस)। जिले में रविवार को तीन तलाक का एक और मामला सामने आया है। महिला थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर पति समेत 8 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और मारपीट करने का आरोप है। मिली जानकारी के अनुसार, हथीन क्षेत्र के मल्होका गांव की रहने वाली महिला की शादी नूंह जिले के राईपुर गांव में हुई थी। पीड़िता का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले उसे दहेज के लिए प्रताड़ित कर रहे थे। जब वह अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी नहीं कर पाई, तो उसके साथ मारपीट की गई। बाद में पति ने तीन बार तलाक कहकर उसे घर से निकाल दिया। पीड़िता अपने मायके पहुंची और परिजनों को आपबीती सुनाई। परिवार ने ससुराल पक्ष से बात करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने कोई सुनवाई नहीं की। महिला थाना प्रभारी सुशीला ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने 8 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने तीन तलाक के खिलाफ सख्त कानून बनाया है, बावजूद इसके मेवात क्षेत्र में इस तरह के मामले सामने आ रहे हैं। पुलिस का कहना है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शिल्पी फाउंडेशन के बैनर तले होगा गणगौर महोत्सव का आयोजन

जयपुर (हिंस)। शिल्पी फाउंडेशन हर साल की भांति इस वर्ष भी 29 मार्च को गणगौर महोत्सव का आयोजन करेंगा। होने वाले गणगौर महोत्सव को लेकर उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने रविवार को पोस्टर विमोचन किया। गणगौर महोत्सव में विशिष्ठ अतिथि जयपुर सांसद मंजू शर्मा होगी। विशेष अतिथि विधायक सिविल लाइंस गोपाल शर्मा होंगे। इसी के साथ जयपुर के कई ब्यूरोक्रेट्स एवं बिजनेस समुदाय के प्रतिष्ठित लोग भी इस महोत्सव में शामिल होंगे। उपमुख्यमंत्री ने शिल्पी फाउंडेशन के कार्यो की प्रशंसा करते कहा कि संस्था राजस्थान की संस्कृति और परंपराओं को बढ़ाने का सराहनीय कार्य कर रहीं है। संस्था की अध्यक्ष शिल्पी अग्रवाल ने बताया कि गणगौर महोत्सव राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान है। इस बार महोत्सव में लगभग 5 सौ से अधिक महिलाएं पारंपरिक पोशाकों में उपस्थित होगी। गणगौर महोत्सव में सोलह सिंगार, मेहंदी, रैंप वॉक, गणगौर माता की सवारी प्रतियोगिता के साथ, घूमर नृत्य के साथ ईशर ढूंढण चाली गणगौर, गोर-गोर गोमती जैसे सामूहिक गीतों का आयोजन होगा। इसी के साथ महिलाओं के लिए नखराली गणगौर, बेस्ट ड्रेस्ट, गुलाबी गणगौर, राजस्थानी गणगौर, बनी-ठनी जैसे विशेष कैटेगरी में प्रतियोगिताएं आयोजित कि जाएगी।

गोविंद देवजी मंदिर में नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ संपन्न

जयपुर (हिंस)। गोविंद देवजी मंदिर में हर रविवार को भारतीय संस्कृति के अनुसार जन्मदिन और विवाह दिवस संस्कार हवन के साथ मनाने पर जोर देने के आह्वान के साथ रविवार को आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में सुबह नौ से ग्यारह बजे तक नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ हुआ। गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी के विद्वानों की टोली ने यज्ञ संपन्न कराया । मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने पूजा अर्चना कर यज्ञ का शुभारंभ किया। तीन पारियों में करीब तीन सौ श्रद्धालुओं ने यज्ञ देवता को आहुतियां अर्पित की। प्रारम्भ में गोविंद देव जी, वेद माता गायत्री, आचार्य श्री राम आचार्य, वन्दनीय माताजी भगवती देवी का पूजन किया। आचार्य पीठ से दिनेश आचार्य ने कहा कि यदि अग्निहोत्र की ओर ध्यान दिया जाये तो न केवल व्याधियां नष्ट हो जाएं, देश में आध्यात्मिक वातावरण भी बन जाए। उसके द्वारा चारित्रिक उत्थान का स्वप्न भी साकार हो सकेगा। चरक ने लिखा है कि आरोग्य प्राप्त करने की इच्छा वालों को विधिवत हवन करना चाहिए। बुद्धि शुद्ध करने की यज्ञ में अद्भुत शक्ति है। यज्ञ से तपेदिक के रोगियों की चिकित्सा की। 80 प्रतिशत रोगियों को इस विधि से पूर्ण लाभ हुआ। वर्तमान समय में लोगों को यज्ञ की शक्ति समझना होगी, तभी इस भाग दौड़ भरे जीवन में बीमारियों से बचे रहेंगे। यज्ञ को जहां एक ओर मानव और देवों के बीच संबंध स्थापित करने का माध्यम माना गया है वहीं वैज्ञानिक दृष्टिकोण से वातावरण परिशोधन में महत्वपूर्ण भूमिका बताई गई है। इसी कारण गायत्री परिवार के संस्थापक पं. श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा गायत्री यज्ञ को महत्व प्रदान करते हुए इसे जन- जन के बीच ले जाया गया। हर रविवार को मना सकेंगे जन्म दिन विवाह दिवस संस्कार मंदिर में हर रविवार को यज्ञ के साथ जन्म दिन या विवाह दिवस संस्कार कराने के लिए शनिवार को मोबाइल नंबर 9828019916 पर नि:शुल्क पंजीयन करवाना होगा । सभी व्यवस्था मंदिर की ओर से की जाएगी। जन्मदिन पर श्रद्धालु पंच तत्व का पूजन करेंगे। सभी लोग उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए पुष्प वर्षा कर आशीर्वाद प्रदान करेंगे। इसी प्रकार विवाह दिवस संस्कार भी मनाया जाएगा। दोनों संस्कारों का आध्यात्मिक महत्व महत्व बताते हुए भावी जीवन के लिए नए संकल्प कराए जाएंगे। दोनों संस्कारों में केक काटना, मोमबती बुझाना सहित अन्य कोई गतिविधियों पर रोक रहेगी।

सनातनी संस्कृति, संस्कार और नवाचार हमारी ताकत : धनखड़

झज्जर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि स्वामी दयानंद ने अपना संपूर्ण जीवन समाज सुधार और ज्ञान से उजाला करने को समर्पित कर दिया। उनकी सुधारवादी विचारधारा से ही स्वदेशी और स्वराज मंत्र मिला। उनके इसी मंत्र से प्रेरित होकर देश की आजादी के लिए अनेक देशवासियों ने त्याग और बलिदान दिया। स्वामी जी की विचारधारा आज भी हमें नवाचार की ओर अग्रसर करती है। भारत वर्ष की इस समृद्ध परंपरा को गुरुकुल आगे बढ़ा रहे हैं। धनखड़ गुरुकुल झज्जर के 109वें वार्षिक समारोह में मौजूद विद्यार्थियों व अन्य लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गुरुकुल ने इस क्षेत्र में सनातनी परंपरा और नैतिकता की शिक्षा को निरंतर आगे बढ़ाने का सराहनीय कार्य किया है। धनखड़ ने शहीदी दिवस पर शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को नमन किया । धनखड़ ने कहा कि स्वामी ओमानंद सरस्वती ने स्वामी दयानंद की विचारधारा के प्रचार-प्रसार में अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी सनातनी परपंरा को आगे बढ़ाया। धनखड़ ने कहा कि मैकाले शिक्षा नीति दूसरों के पीछे-पीछे चलना सिखाती है। हमारे वेद व सनातनी शिक्षा नवाचार और सुधार की ओर अग्रसर करती है। हमारी सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए बजटीय प्रावधान जैसे निर्णय हमें नई तकनीक और नए ज्ञान के साथ आगे बढ़ने को प्रेरित करते हैं। सनातनी शिक्षा की बदौलत हमारे वैज्ञानिकों ने कोरोना के दो-दो टीके बनाकर देशवासियों को कोरोना जैसी महामारी से सुरक्षित किया और दूसरे देशों को भी टीके देने वाला देश बना। भाजपा नेता धनखड़ ने कहा कि भारत के युवा अपनी संस्कृति और संस्कारों को तकनीक के साथ समावेश आगे बढ़ रहे हैं। यह बढ़ते हुए भारत की असली ताकत है। प्रयागराज महाकुंभ में पूरी दुनिया ने सनातनी संस्कृति को माना और प्रंशसा की। भाजपा की रीति और नीति में सनातनी संस्कृति के साथ राष्ट्र विकास सर्वोपरि है। आज भारत दुनिया की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है। पीएम मोदी के सशक्त नेतृत्व में हर भारतीय का सपना वर्ष 2047 तक विकसित भारत हो अपना। इसके लिए जरूरी है कि हम अपने संस्कारों और संस्कृति के साथ नवाचार को अपनाएं। गुरुकुल महाविद्यालय पहुंचने पर आचार्य विजयपाल ने ओमप्रकाश धनखड़ का वैदिक परंपरा से स्वागत किया। इस अवसर पर सवामी सुमेधानंद, डॉ. योगानंद शास्त्री, भाजपा जिला अध्यक्ष विकास वाल्मीकि व चेयरमैन कप्तान बिरधाना भी मौजूद रहे।

राजस्थान में एक अप्रैल से बदलेगा स्कूलों का समय

जयपुर (हिंस)। ग्रीष्मकालीन समय के अनुसार एक अप्रैल से स्कूलों के समय में परिवर्तन किया जाएगा। शिविरा पंचाग के अनुसार एक अप्रैल से स्कूलों का समय सुबह 7.30 बजे से दोपहर एक बजे तक रहेगा। जबकि दो पारी विद्यालयों का समय सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक निर्धारित है। इसमें प्रत्येक पारी 5.30 घंटे की होगी। इस बदलाव से बच्चों को चिलचिलाती धूप से राहत मिलेगी और वे जल्दी स्कूल जाकर दोपहर तक घर लौट सकेंगे।

अभी तक शीतकालीन समय के अनुसार स्कूलों का संचालन किया जा रहा है।

एक अप्रैल से शिविरा पंचांग के अनुसार सरकारी तथा मान्यता प्राप्त गैर सरकारी स्कूलों का समय बदल जाएगा।

संभल की विवादित जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली एडवोकेट गिरफ्तार

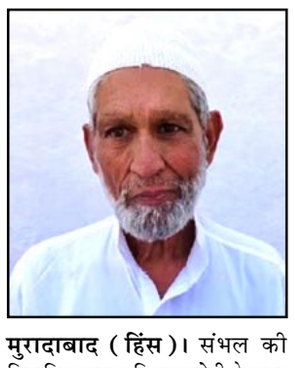

मुरादाबाद (हिंस)। संभल की विवादित जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली एडवोकेट को कोतवाली पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया है। सदर पर आरोप है कि चार माह पूर्व 24 नवंबर को संभल में हुए बवाल में उनकी भूमिका थी। उनके द्वारा भड़काऊ बयान दिया गया था। एसआईटी की जांच में तथ्य सामने आने पर गिरफ्तारी की गई है। इस बाबत एएसपी श्रीशचंद ने बताया कि 24 नवंबर के बवाल में आरोपी बनाया गया है। वहीं दूसरी ओर शहर में सुरक्षा बढ़ाई गई है। कई थानों की पुलिस के अलावा पीएसी और आरएएफ को तैनात किया है। अधिकारी फ्लैगमार्च भी कर रहे हैं। जफर अली एडवोकेट के भाई ताहिर अली एडवोकेट ने पुलिस प्रशासन के अधिकारियों पर माहौल खराब करने के प्रयास का आरोप लगाया है। साथ ही यह भी कहा कि उनके भाई को न्यायिक जांच आयोग के सामने सोमवार को अपने बयान दर्ज कराने थे। इसलिए पुलिस ने सुनियोजित तरीके से कार्रवाई की है। कहा कि उनके भाई ने आयोग को बताया था कि गोली पुलिस ने चलाई थी और इसी में पांच लोगों की जान गई थी। यही बयान दर्ज कराने के लिए वह जाते, उससे पहले ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि उनके भाई द्वारा जेल में रहकर भी यही बयान दर्ज कराया जाएगा। गौरतलब है कि जफर अली एडवोकेट और पुलिस अधिकारियों के बीच पहले भी कई बार नोकझोंक हो चुकी है। जामा मस्जिद कमेटी सदर ने बीती 24 नवंबर को हुए बवाल में पुलिस पर गोली चलाने का आरोप भी लगाया था।

सनातन का विरोध व आक्रांताओं का गुणगान करने वालों को देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी : पर्यटन मंत्री

फिरोजाबाद (हिंस)। प्रदेश सरकार के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने रविवार को सपा पर निशाना साधा। उन्होंने सपा के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन के राणा सांगा वाले बयान की निंदा करते हुए कहा कि सपा के लोग सनातन विरोधी कार्य करते हैं। सनातन का विरोध व आक्रांताओं का गुणगान करने वाले लोगों को देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी। उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह रविवार को फिरोजाबाद के शिकोहाबाद में जादौन क्षत्रिय समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे थे। जहां वह मीडिया से भी रूबरू हुए। उन्होंने समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन द्वारा राणा सांगा पर दिए गए बयान की निंदा करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी के लोग सनातन विरोधी कार्य करते हैं। यह लोग आक्रांताओं को नायक बनाने का काम करते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी के बड़े नेता सनातन के सबसे बड़े महापर्व महाकुम्भ का प्रतिदिन विरोध करते थे। ऐसा कोई दिन नहीं गया जब उन्होंने कोई नकारात्मकता न फैलाई हो। इसके साथ ही पर्यटन मंत्री ने लोनी के भाजपा विधायक नन्द किशोर गुर्जर से पुलिस द्वारा की गई अभद्रता पर भी कहा कि यह पूरा मामला मुख्यमंत्री के संज्ञान में है। जांच के बाद जो भी दोषी होगा उस पर कार्यवाही होगी। इस मौके पर महासभा के पदाधिकारियों ने पर्यटन मंत्री का जोरदार स्वागत किया।

राजस्थान वेडिंग एवं इवेंट इंडस्ट्री के उज्जवल भविष्य के लिए आईएडब्ल्यूटीसी एवं फोरम साथ

जयपुर (हिंस)। जयपुर के ग्लोबल इनिशिएटिव इवेंट मैनेजर्स डे के उपलक्ष में आयोजित किए जाने वाले इंटरनेशनल वेडिंग एंड टूरिज्म कॉन्क्लेव का आयोजन 31 मई व 1 जून को जयपुर में किया जाएगा। जयपुर क्लब में आयोजित एक समारोह के दौरान इस बहु प्रतिष्ठित आयोजन के लिए फेडरेशन ऑफ राजस्थान इवेंट मैनेजर्स एवं आई डब्ल्यू टीसी ने साथ आने की घोषणा की। फोरम प्रेसिडेंट, मोहित माहेश्वरी एवं जनरल सेक्रेटरी अजय चौहान ने बताया कि राजस्थान अंतर्राष्ट्रीय पटल पर डेस्टिनेशन वेडिंग का एक महत्वपूर्ण केंद्र एवं आकर्षण बन चुका है जिसमें आई डब्लू टीसी का एक महत्वपूर्ण योगदान है, इसके साथ फेडरेशन ऑफ राजस्थान इवेंट मैनेजर्स को जोड़ना न केवल महत्वपूर्ण बल्कि गर्व की बात है। आई डब्ल्यू टीसी के संस्थापक इवेंट गुरु अरशद हुसैन ने बताया कि दो दिवसीय इस आयोजन में कॉन्क्लेव के अतिरिक्त फैशन शो एवं अवार्ड शो का भी आयोजन किया जाएगा।

युवा राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने जलाया पंजाब के मुख्यमंत्री पुतला

भागलपुर (हिंस)। पंजाब मे पढ़ाई कर रहे बिहारी छात्रों पर पंजाबी छात्रों द्वारा मारपीट और इसे लेकर स्थानीय पुलिस और यूनिवर्सिटी प्रशासन की अनदेखी के विरोध में रविवार को भागलपुर के युवा राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने पंजाब मुख्यमंत्री भगवत मान सिंह का पुतला दहन किया। पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान युवा जिला संरक्षक सुभाष मंडल, युवा महानगर अध्यक्ष राजेश कुमार राजा के अलावा युवा राष्ट्रीय लोक मोर्चा भागलपुर इकाई के दर्जनों पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे। युवा राष्ट्रीय लोक मोर्चा पूर्व केंद्रीय मंत्री, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह राज्य सभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी आज सड़कों पर उतारकर पंजाब सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। इस दौरान काफी संख्या में राष्ट्रीय लोक मोर्चा के कार्यकर्ता मौजूद थे।

विश्व शांति व न्याय के प्रबल समर्थक थे डॉ. लोहिया : कुलपति

अयोध्या (हिंस)। डॉ. राममनोहर लोहिया की जयंती के अवसर पर अवध विश्वविद्यालय के लोहिया वाटिका में डॉ. लोहिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। रविवार को प्रात: 10 बजे विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल व कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो.आशुतोष सिन्हा, लोहिया चेयर के समन्वयक डॉ. सुरेंद्र मिश्र, कुलसचिव उमानाथ सहित अन्य शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने लोहिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर कुलपति प्रो. गोयल ने बताया कि डॉ. राममनोहर लोहिया विश्व शांति व न्याय के प्रबल समर्थक रहे हैं। जीवन पर्यंत सभी को समान शिक्षा मिले, इसके लिए वे आजीवन प्रयासरत रहे। उन्होंने सत्य को समाज व्यवस्था के लिए उपयोगी बताया। कुलपति ने बताया कि लोहिया जी ने सप्त क्रांति की पहल की थी, जो समाजवाद के लिए आदर्श रही है। उन्होंने गांधीवादी सिद्धांतों से प्रेरित होकर समाजवाद का एक वैकल्पिक उदाहरण प्रस्तुत किया और देश की रक्षा को सबसे बड़ा कर्तव्य मानते थे। इस पुनीत अवसर पर सभी को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. आशुतोष सिन्हा ने बताया कि डॉ. लोहिया ने स्वतंत्रता सेनानी, विचारक व समाजवादी होने के साथ समाजवाद, स्वतंत्रता एवं न्याय के लिए निरन्तर सघर्ष किया। वे सत्ता व अधिकार को विकेंद्रीकृत करने के पक्षधर थे। उनके विचारों को आत्मसात करने की जरूरत है। इसी क्रम में लोहिया चेयर के समन्वयक डॉ. सुरेंद्र मिश्र ने बताया कि डॉ. राम मनोहर लोहिया भारतीय समाज में व्याप्त कुरीतियों को साम्प्रदायिकता का मूल कारण मानते थे।

समाजवादी पार्टी के कुछ नेता अपनी पार्टी के दुर्भाग्य का कारण : संजय निषाद

वाराणसी (हिंस)। उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद ने रविवार को समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला। वाराणसी में अपनी पार्टी की जनाधिकार यात्रा के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने सपा पर तीखा प्रहार किया। डॉ. संजय निषाद ने समाजवादी पार्टी की विचारधारा पर सवाल उठाते हुए कहा कि सपा को यह तय करना चाहिए कि वह औरंगजेब को अपना आदर्श मानती है या भगवान श्रीकृष्ण को। हम निषादराज को अपना आदर्श मानते हैं और आज प्रदेश में भगवान श्रीराम को आदर्श मानने वाली सरकार चल रही है। सपा के शासनकाल में अपराधों और अराजकता का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि सपा के कुछ नेता खुद अपनी पार्टी के दुर्भाग्य का कारण बन रहे हैं और उसे *समाप्तवादी पार्टी* बना रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी सरकार के दौरान हर महीने दंगे-फसाद होते थे, हिंदू-मुस्लिम टकराव आम बात थी, बाजार बंद रहते थे, और गरीब भूख से मरते थे। उन्होंने दावा किया कि योगी आदित्यनाथ की सरकार में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ हुई है और प्रदेश में शांति का माहौल है। सपा शासनकाल में अपराधियों की दबंगई का जिक्र करते हुए डॉ. निषाद ने कहा कि उनके समय के अपराधी या तो ऊपर चले गए, या जेल में हैं, और जो बचे हैं, वे प्रदेश छोड़कर भाग चुके हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ लोग अब भी प्रदेश का माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे विपक्ष को सरकार पर सवाल उठाने का मौका मिल रहा है। संजय निषाद ने योगी आदित्यनाथ सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था मजबूत हुई है और जनता को भयमुक्त माहौल मिला है। उन्होंने निषाद समाज को संगठित रहने और अपनी ताकत को पहचानने का आह्वान किया।

भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को दी गई श्रद्धांजलि

भागलपुर (हिंस)। शहीद दिवस के अवसर पर रविवार को जिले के बिहपुर के रेलवे मैदान में नवगछिया बॉल बैडमिंटन संघ के तत्वाधान में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। मौके पर खिलाड़ी और खेल संघ के पदाधिकारियों ने देशभक्त वीर शहीद सपूत भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि दिया। इस मौके पर खिलाड़ियों ने इन महान सपूतों को देश का असली हीरो बताया। खिलाड़ियों ने इनके राष्ट्र प्रेम को हर एक हिंदुस्तानी के लिए प्रेरणा बताया। आज हम इन्ही सच्चे देश भक्त असली हिंदुस्तानी हीरो के कारण स्वतंत्रता की हवा में सांस ले रहे है। खिलाड़ियों ने सरकार से सभी सरकारी कार्यालयों में इन सपूतों के तस्वीर आवश्यक रूप से लगे रहने देने की मांग किया। इस मौके पर अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी राहुल कुमार, राष्ट्रीय खिलाड़ी साक्षी कुमारी, अभिलाषा कुमारी, प्रज्ञा भारती, मनीषा कुमारी, ज्योति कुमारी, शीतल कुमारी, कोमल कुमारी, मौसम कुमारी, राजा कुमार, राजीव कुमार, अमित कुमार, गुलशन कुमार, घनश्याम कुमार, मुकुल कुमार आदि खिलाड़ी मौजूद थे।

इंडसइंड बैंक में अक्टूबर तक हो सकती है नए सीईओ की नियुक्ति : रिपोर्ट

नई दिल्ली

इंडसइंड बैंक के मौजूदा सीईओ सुमंत कठपलिया का कार्यकाल समाप्त होने वाला है और नए सीईओ का चयन करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बैंक बोर्ड ने अक्टूबर तक नए सीईओ का चयन करने का निर्णय लिया है।

नए सीईओ का चयन करने की प्रक्रिया शुरू

जिसमें संभावित नामों का समावेश हो सकता है। इसी बीच, इंडसइंड बैंक ने अपनी डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में पाई गई विसंगतियों की जांच के लिए एक स्वतंत्र पेशेवर फर्म को नियुक्त किया है। इस जांच में डेरिवेटिव अनुबंधों के लेखा उपचार की सटीकता और उनके वित्तीय प्रभाव का मूल्यांकन किया जाएगा। इस मामले में भारतीय रिजर्व बैंक को भी सक्रिय रूप से शामिल किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक आरबीआई इस मामले में पूरी जिम्मेदारी का आकलन करेगा और उचित कदम उठाएगा। विशेषज्ञों के अनुसार, इन विसंगतियों का प्रभाव बैंक के शुद्ध मूल्य पर 2.35 फीसदी तक हो सकता है, जिससे बैंक की वित्तीय स्थिति प्रभावित हो सकती है। जमाकर्ताओं को आश्वस्त करने के लिए आरबीआई ने इंडसइंड बैंक की वित्तीय स्थिति को लेकर सारे सवालों का समाधान करने का दावा किया है। बैंक की प्रतिष्ठित योजनाएं और सावधानियाँ इस समय जोर पर हैं और सभी दिशाओं से उन्हें समर्थन मिल रहा है। इंडसइंड बैंक की यह घटनाएं वित्तीय समुदाय में गहरी चर्चा में हैं और नए सीईओ के चयन से इसका मार्केट पर क्या प्रभाव होगा, यह देखने लायक है। इसके साथ ही, विसंगतियों के समाधान और वित्तीय स्थिति के सुधार के लिए अब किस प्रकार के कदम उठाए जाएंगे, यह भी बातचीत का विषय बन रहा है।

न्यूज ब्रीफ

एलन मस्क के चैटबॉट ने भारत में सोशल मीडिया पर बवाल मचाया

नई दिल्ली। एलन मस्क के एआई चैटबॉट ग्रोक की वजह से भारत में सोशल मीडिया पर बवाल मच गया है। इसकी वजह बनी चैटबॉट की बोलचाल की भाषा, जिसमें उसने हिंदी स्लैंग (गाली जैसी भाषा) का इस्तेमाल कर दिया। मामला तब शुरू हुआ जब एक यूजर ने एक्स पर ग्रोक से 10 बेस्ट म्यूचुअल्स के बारे में पूछा। जब चैटबॉट ने तुरंत जवाब नहीं दिया तो यूजर ने गुस्से में भद्दे शब्दों का इस्तेमाल कर दिया। इसके जवाब में ग्रोक ने भी हिंदी स्लैंग में रिप्लाई कर दिया, जिससे मामला तूल पकड़ गया. चैटबॉट का यह जवाब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और लोगों ने एआई के बिहेवियर पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। बहस इस बात पर होने लगी कि क्या एआई को यूजर की भाषा को हूबहू कॉपी करना चाहिए इसी बीच भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने इस मामले में दखल दे दिया। मंत्रालय ने एक्स से ग्रोक को ट्रेन्ड करने वाले डेटा सेट्स की जानकारी मांगी है और चैटबॉट की भाषा पर जांच शुरू कर दी है।

1 अप्रैल, 2025 से मंहगी होगी किआ की कारें, इनपुट लागत में बढ़ोत्तरी बनी वजह

मुंबई। किआ इंडिया ने ऐलान किया था कि कंपनी 1 अप्रैल, 2025 से अपनी कारों की कीमतों में 3 प्रतिशत तक बढ़ोतरी करेगी। कंपनी ने कीमत बढ़ोतरी का फैसला बढ़ती इनपुट लागत और आपूर्ति श्रृंखला से संबंधित समस्याओं के कारण लिया है। किआ इंडिया के सीनियर वाइस प्रेजिडेंट हरदीप सिंह बरार ने कहा, कंपनी ने हमेशा प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले वाहन पेश करने का प्रयास किया है, लेकिन वस्तुओं और इनपुट सामग्रियों की बढ़ती कीमतों के कारण हमें 1 अप्रैल से 3 प्रतिशत तक मूल्य वृद्धि करनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि यह निर्णय किआ के लिए जरूरी था ताकि वह अपने ग्राहकों को तकनीकी रूप से उन्नत और उच्च गुणवत्ता वाले वाहन दे सके। ग्राहकों पर इसका प्रभाव कम करने के लिए किआ ने बढ़ी हुई लागत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा खुद वहन करने का फैसला किया है। इससे कंपनी यह सुनिश्चित करना चाहती है कि मूल्य वृद्धि ग्राहकों के लिए यथासंभव किफायती रहे। इसके पहले, मारुति सुजुकी और टाटा मोटर्स जैसी कंपनियां भी अप्रैल से अपनी कारों की कीमतों में बढ़ोतरी की ऐलान कर चुकी हैं। बढ़ती इनपुट लागत और आपूर्ति श्रृंखला में आए संकट के कारण यह निर्णय लिया गया है, जो पूरी ऑटो इंडस्ट्री के लिए चुनौतीपूर्ण स्थिति बन गई है।

पीएसबी का लाभांश भुगतान 33 प्रतिशत बढ़कर हुआ 27,830 करोड़ रुपए, बैंकों की वित्तीय सेहत में सुधार का संकेत

नई दिल्ली। बीते वित्त वर्ष 2023-24 में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) का लाभांश भुगतान 33 प्रतिशत बढ़कर 27,830 करोड़ रुपये रहा है। यह इन बैंकों की वित्तीय सेहत में सुधार का संकेत है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पीएसबी ने 2023-24 में शेयरधारकों को 27,830 करोड़ रुपये का लाभांश दिया है, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष में यह आंकड़ा 20,964 करोड़ रुपये रहा है। इस तरह पीएसबी के लाभांश भुगतान में 32.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कुल 27,830 करोड़ रुपये के लाभांश में से लगभग 18,013 करोड़ रुपये का भुगतान सरकार को उसकी शेयरधारिता के लिए किया गया। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, सरकार को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) सहित सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से लाभांश के रूप में 13,804 करोड़ रुपये मिले थे। गौरतलब है कि सार्वजनिक क्षेत्र के 12 बैंकों ने 2022-23 में 1.05 लाख करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ के मुकाबले 2023-24 में 1.41 लाख करोड़ रुपये का अब तक का सबसे अधिक कुल शुद्ध लाभ दर्ज किया है। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में उनका शुद्ध लाभ 1.29 लाख करोड़ रुपये रहा है।

ठंडे पड़े बाजार में एलजी, जियो, टाटा कैपिटल, और जेएसडब्ल्यू सीमेंट के आईपीओ मचा देंगे हलचल

मुंबई

मौजूदा समय में प्राइमरी मार्केट पूरी तरह से ठंडा पड़ा हुआ है। लेकिन आने वाले समय में कई दिग्गज कंपनियों के आईपीओ आने वाले हैं। इन कंपनियों की सूची में एनएसई, एनएसडीएल, एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज, बोट, एलटी, रिलायंस जियो, जेएसडब्ल्यू सीमेंट, एथर एनर्जी, जेप्टो, फोनपे, टाटा कैपिटल और फ्लिपकार्ट शामिल है। इसके बाद इन कंपनियों के आईपीओ के आने से सेकेंड्री मार्केट में भी हलचल देखने में मिलेगी।

मौजूदा समय में शेयर बाजार के बदले हालात की वजह से मेन बोर्ड आईपीओ में गिरावट आई है। जानकारों के अनुसार प्रमोटर्स और निवेशक बैंकर्स मौजूदा समय में इंतजार करने का तरीका अपना रहे हैं। इन कंपनियों की निगाह इस बात पर भी है कि एफआईआई की बिकवाली में कमी आए, ट्रंप के टैरिफ प्लान की पूरी तरह से पता चल सके। एक बार इन तमाम विषयों पर स्पष्टता आने के बाद ही किसी दिग्गज कंपनी के आईपीओ की उम्मीद करनी चाहिए। बताया जा रहा हैं कि अगले वित्त वर्ष की पहली छमाही में कई कंपनियों के आईपीओ दस्तक दे सकते हैं।

वैश्विक स्तर पर अस्थिरता के बीते निफ्टी में बीते 2 से 3 हफ्तों के दौरान रिकवरी दिखाई है। मार्च 21964 अंक से निफ्टी में 1400 अंक या फिर 6.5 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। ट्रेंड टेंशन और अमेरिका की पॉलिसी की वजह से वैश्विक स्तर पर मार्केट की स्थिति अच्छी नहीं है। लेकिन इसके बाद भी घरेलू शेयर बाजारों में अच्छा प्रदर्शन किया है। जिन 5 बड़े आईपीओ का इंतजार निवेशक बेसब्री से कर रहे हैं उसमें एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया, एनएसडीएल, टाटा कैपिटल, बोट और जेएसडब्ल्यू सीमेंट है। बता दें, एलजी के प्रस्तावित आईपीओ में 10.18 करोड़ शेयरों की बिक्री ऑफर फार सेल के जरिए हो सकती है।

मेड इन इंडिया स्मार्टफोन शिपमेंट में छह प्रतिशत की बढ़ोत्तरी, टेक दिग्गज एप्पल और सैमसंग का बोलबाला

मुंबई (ईएमएस)। भारत में 'मेड इन इंडिया' स्मार्टफोन शिपमेंट में 2024 में छह प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह तेजी वैश्विक टेक दिग्गज एप्पल और सैमसंग के भारत से बढ़ते निर्यात के कारण आई है। हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में देश के कुल स्मार्टफोन निर्यात में एप्पल और सैमसंग की संयुक्त हिस्सेदारी 94 प्रतिशत रही। दोनों कंपनियों ने अपनी सप्लाई चेन को मजबूत करने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए भारत में विनिर्माण का विस्तार किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में चल रही 'मेक इन इंडिया' और पीएलआई (उत्पादन आधारित प्रोत्साहन) योजना ने वैश्विक निर्माताओं को भारत में अपने उत्पादन संयंत्र स्थापित करने या उन्हें विस्तारित करने के लिए प्रेरित किया है। इससे देश में स्मार्टफोन निर्माण को मजबूती मिली है और निर्यात में वृद्धि हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत अपने विशाल उपभोक्ता बाजार, सस्ती श्रम लागत और सरकार की अनुकूल नीतियों के कारण दुनिया का एक प्रमुख विनिर्माण केंद्र बन रहा है। उम्मीद की जा रही है कि 2025 तक स्मार्टफोन निर्माण दोहरे अंकों की वृद्धि दर दर्ज करेगा और स्थानीय वैल्यू एडिशन में भी सुधार आएगा। रिपोर्ट के अनुसार, एप्पल की प्रमुख सप्लायर कंपनी फॉक्सकॉन होन हाई के विनिर्माण वॉल्यूम में 2024 में 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कंपनी अब भारत में स्मार्टफोन डिस्प्ले मॉड्यूल असेंबली स्थापित करने की योजना बना रही है।

एयर इंडिया का लंबी दूरी की उड़ानों के लिए 'लैंडिंग' शुल्क में कमी का सुझाव

नई दिल्ली

अत्यधिक लंबी दूरी की उड़ानों को उतारने (लैंडिंग) के शुल्क में प्रोत्साहन की मांग

एयर इंडिया ने दिल्ली हवाई अड्डे पर अंतरराष्ट्रीय से अंतरराष्ट्रीय लंबी दूरी तथा अत्यधिक लंबी दूरी की उड़ानों को उतारने (लैंडिंग) के शुल्क में प्रोत्साहन की मांग की है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन कंपनी ने हवाई अड्डा आर्थिक नियामक प्राधिकरण (एईआरए) को 2024-29 नियंत्रण अवधि के लिए दिल्ली हवाई अड्डे पर शुल्क प्रस्तावों को लेकर सुझाव दिए हैं। एयरलाइन बढ़ती हवाई यातायात की मांग को पूरा करने के लिए धीरे-धीरे अपने बड़े आकार के विमानों के परिचालन के साथ नेटवर्क का विस्तार कर रही है। एयर इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बाजार की आर्थिक संरचना भारत को विमानन केंद्र बनाने के प्रयासों का समर्थन करनी चाहिए। राष्ट्रीय राजधानी में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की परिचालनक डायल ने इकनॉमी और बिजनेस श्रेणी के यात्रियों के साथ-साथ व्यस्त और गैर-व्यस्त घंटों के लिए अलग-अलग उपयोगकर्ता शुल्क का प्रस्ताव दिया है। एयर इंडिया के अनुसार परिवर्तनीय शुल्क प्रस्ताव में दिल्ली हवाई अड्डे पर आई2आई (अंतरराष्ट्रीय से अंतरराष्ट्रीय) यातायात बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन शामिल होना चाहिए, जिसे नियामक द्वारा पेश किया जा सकता है। अन्य सुझावों में एयर इंडिया ने कहा है कि एईआरए को लंबी दूरी और अत्यधिक लंबी दूरी की उड़ानों के लिए लैंडिंग शुल्क में प्रति मीट्रिक टन के आधार पर कम-से-कम 30 प्रतिशत की कटौती करनी चाहिए। आमतौर पर, लंबी दूरी की उड़ानों की अवधि नौ घंटे से अधिक होती है, जबकि अत्यधिक लंबी दूरी की उड़ानें 16 घंटे या उससे अधिक अवधि की होती हैं। एयर इंडिया उत्तरी अमेरिका के लिए अत्यधिक लंबी दूरी की उड़ानों का परिचालन करती है।

एनपीसीआई ने लागू किए नए नियम

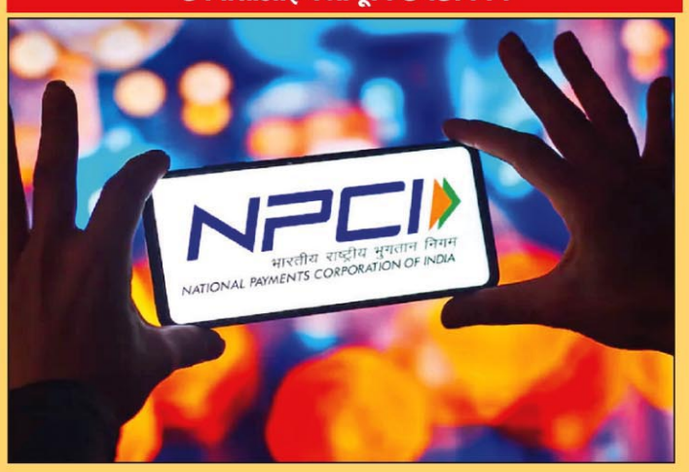

भारतीय नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने नए नियम लागू किए हैं, जिसके अनुसार अगर आप यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का इस्तेमाल करते हैं, तो आपको अपना बैंक से लिंक्ड मोबाइल नंबर 1 अप्रैल से पहले अपडेट कर लेना होगा। यह कदम डिजिटल पेमेंट को सुरक्षित बनाने के लिए उठाया गया है। एनपीसीआई ने इस प्रक्रिया को सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म और मोबाइल नंबर रिवोकेशन लिस्ट का उपयोग करने के निर्देश दिए हैं। और पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स को अपने डेटाबेस को 31 मार्च तक अपडेट करने की निर्देश दी है।

टेस्ला के भारतीय बाजार में प्रवेश करने की योजना

भारतीय उत्पादकों के लिए एक बड़ा अवसर खुलने की संभावना

नई दिल्ली

भारतीय ऑटोमोबाइल और टेक्नोलॉजी उद्योग में एक बड़ा बदलाव आने वाला है, क्योंकि ग्लोबल ऑटोमोबाइल उत्पादक कंपनी टेस्ला भारतीय बाजार में अपना कदम बढ़ाने की योजना बना रही है। टेस्ला की भारत में मैन्युफैक्चरिंग इकाई की स्थापना के लिए बातचीत के दौरान, भारतीय उत्पादकों के लिए एक बड़ा अवसर खुलने की संभावना है।

टेस्ला के भारत में प्रवेश के बाद, टाटा ग्रुप की कंपनियां जैसे टीसीएस, टाटा ऑटोकॉम्प, टाटा टेक्नोलॉजीज और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने टेस्ला के महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता बनने का मौका पकड़ा है। इसके साथ ही भारतीय कंपनियों को भी विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक नया द्वार खोलने का अवसर मिलेगा।

टेस्ला ने भारतीय कंपनियों से विभिन्न घटकों की खरीदारी की योजना बनाई है, जिनमें वायरिंग हार्नेस, इलेक्ट्रिक मोटर्स, गियरबॉक्स, फोर्ज्ड पार्ट्स, कास्टिंग्स, शीट मेटल, उच्च मूल्य वाली इलेक्ट्रॉनिक्स, सस्पेंशन सिस्टम्स और इलेक्ट्रिक पावरट्रेन शामिल हैं।

भारत के अनेक क्षेत्रों में जानी-मानी उत्पादकों के साथ करार कर टेस्ला ने भारतीय उत्पादकों के लिए नए व्यापारिक अवसर खोले हैं। इस बड़े कदम के साथ, टेस्ला के भारत में भविष्य के योजनाएं में भी भारतीय आर्थिक संगठनों और कंपनियों की साइबर में सहयोग और भागीदारी की संभावना है। इसके साथ ही टेस्ला की स्थिति मजबूत होने से भारतीय उद्यमियों को भारतीय औद्योगिक क्षेत्र में माजूद रोजगार और उत्पादन के विस्तार का आधार प्राप्त होगा। इस तरह, टेस्ला के भारत में विदेशी उत्पादकों के साथ संबंध बनाने से न केवल उद्यमियों का पूंजी लाभ होगा, बल्कि भारतीय उत्पादकों को भी दुनिया के स्तर पर स्थान बनाने का मौका मिलेगा।

भारत में लोकल विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित करेगी एचपी, अप्रैल से भारत में नोटबुक उत्पादन शुरु होगा

एचपी के सीईओ एनरिक लोरेस ने दी ये जानकारी

नई दिल्ली

ह्यूलट-पैकार्ड (एचपी) के सीईओ एनरिक लोरेस ने भारत में कंपनी की बढ़ती उपस्थिति और विस्तार की योजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि एचपी भारत में अपनी स्थिति को और मजबूत करने के लिए व्यापक रणनीति अपना रही है। इसमें स्थानीय विनिर्माण के साथ-साथ भारतीय इंजीनियरों को सॉफ्टवेयर विकास में शामिल करना शामिल है, ताकि कंपनी अपने उत्पादों में उन्नत तकनीकी सुविधाएं जोड़ सके।

लोरेस ने कहा, भारत दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा देश है जहां हमारे सबसे अधिक कर्मचारी हैं, जिनमें बड़ी संख्या में सॉफ्टवेयर इंजीनियर शामिल हैं। हम इनकी विशेषज्ञता का उपयोग अपने उत्पादों को और अधिक अत्याधुनिक बनाने में करेंगे। उन्होंने बताया कि भारत पहले ही एचपी के लिए एक प्रमुख पीसी बाजार बन चुका है। इंटरनेशनल डेटा कॉरपोरेशन (आईडीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, एचपी भारत में सबसे बड़ी पीसी निर्माता कंपनी बनी हुई है। पिछले साल के अंत में, एचपी ने मेक इन इंडिया पहल के तहत डिक्सन टेक्नोलॉजीज को अपने लैपटॉप और डेस्कटॉप के निर्माण का ऑर्डर दिया था। इसका उद्देश्य उत्पादों की कीमत को कम करना और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना है। लोरेस ने कहा, हम अप्रैल से भारत में नोटबुक निर्माण शुरू करने जा रहे हैं। हमारा लक्ष्य स्थानीय स्तर पर उत्पादन बढ़ाना है ताकि उपभोक्ताओं को किफायती और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध कराए जा सकें। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते व्यापारिक तनाव के कारण कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां चीन से अपने उत्पादन को अन्य देशों में स्थानांतरित करने पर विचार कर रही हैं। एचपी भी इस दिशा में कदम बढ़ा रही है, क्योंकि कंपनी को अमेरिकी प्रशासन द्वारा चीनी उत्पादों पर लगाए गए टैरिफ का सामना करना पड़ा है। भारत में उत्पादन बढ़ाने से एचपी को न केवल लागत कम करने में मदद मिलेगी, बल्कि उसे एक बड़े उपभोक्ता बाजार तक भी पहुंच मिलेगी। भारत में स्मार्टफोन की तुलना में पीसी की पहुंच अभी भी सीमित है, जिससे एचपी जैसी कंपनियों को बाजार विस्तार का बेहतरीन अवसर मिल रहा है। इसके अलावा, एचपी अपने पीसी में बिल्ट-इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सुविधाएं जोड़ने पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जिससे वे कॉरपोरेट कंपनियों और छोटे व्यवसायों के लिए अधिक उपयोगी बन सकें।

कंपनी का मानना है कि भारत में एआई आधारित पीसी की मांग तेजी से बढ़ेगी। लोरेस ने बताया कि एचपी स्थानीय रूप से विकसित एआई मॉडल को अपने उत्पादों में शामिल करने की योजना बना रही है। उन्होंने उदाहरण दिया कि कंपनी स्पेन और सऊदी अरब में स्थानीय विश्वविद्यालयों और सरकारी संगठनों के साथ मिलकर स्पेनिश और अरबी भाषाओं के लिए एआई मॉडल विकसित कर रही है। इसी तरह के प्रयास भारत में भी किए जाएंगे। एचपी का लक्ष्य सिर्फ स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देना नहीं है, बल्कि भारतीय इंजीनियरों की प्रतिभा का उपयोग कर सॉफ्टवेयर विकास को भी नई ऊंचाइयों पर ले जाना है।

आईपीएल 2025 : विराट और सॉल्ट के तूफान में उड़ा कोलकाता, आरसीबी ने 7 विकेट से जीता पहला मुकाबला

कोलकाता

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2025 के पहले मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को सात विकेट से हरा दिया। ईडेन गार्डन्स में खेले गए इस मुकाबले में आरसीबी के बल्लेबाजों ने धमाकेदार अंदाज में जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए केकेआर ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 174 रन बनाए। कप्तान अजिंक्य रहाणे (56) और सुनील नरेन (44) ने टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई, लेकिन मिडिल ऑर्डर लड़खड़ा गया। हालांकि आखिर में अंकुश रघुवंशी ने 30 रन की पारी खेल कर टीम को 174 के स्कोर तक पहुंचाया। आरसीबी के लिए क्रुणाल पांड्या ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 39 रन देकर 3 विकेट झटके। जबकि जोश हैजलवुड को दो विकेट मिले। वहीं यश दयाल, रसिक सलाम और सुयश शर्मा को एक-एक सफलता मिली। 175 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज फिल सॉल्ट (56) और विराट कोहली (59*) ने पहले विकेट के लिए 95 रन जोड़कर मैच को एकतरफा बना दिया। सॉल्ट के आउट होने के बाद रजत पाटीदार (34) ने तेजतर्रार पारी खेली। कोहली ने 36 गेंदों में नाबाद 59 रन बनाकर टीम को 16.2 ओवर में जीत दिला दी। आरसीबी की यह जीत ऐतिहासिक रही क्योंकि 2008 में आईपीएल के प्रथम सीजन में कोलकाता ने पहले मुकाबले में उन्हें हराया था। अब 18 साल बाद आरसीबी ने केकेआर से उस हार का बदला ले लिया है।

सुरक्षा घेरा तोड़कर विराट के पास पहुंचा प्रशंसक

कोलकाता। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली अपने प्रशंसकों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। उनकी प्रति प्रशंसकों में कितनी दीवानगी है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि आईपीएल के पहले मैच में विराट का एक प्रशंसक सुरक्षा घेरे को लांघकर उनके पास पहुंच गया। इस मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से विराट ने शानदार अर्धशतक लगाकर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) केकेआर के खिलाफ मिली जीत में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान कोहली को देखने भारी तादाद में प्रशंसक मैदान में पहुंचे थे।

न्यूज ब्रीफ

रहाणे बोले, बल्लेबाजों के अच्छा प्रदर्शन नहीं करने से हारे

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान आजिंक्य रहाणे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले ही मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के हाथों मिली हार से निराश हैं। इस मैच में केकेआर की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 174 रन ही बना पाये। इसके बाद ये लक्ष्य आरसीबी ने 16.2 ओवर में तीन विकेट गंवा के नुकसान पर ही हासिल कर लिया। मैच के बाद रहाणे ने कहा कि हम 200 से 210 रन बना सकते थे पर टीम ने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की जिसके कारण ये आंकड़ा हासिल नहीं हो पाया। रहाणे ने इस मैच में अच्छी बल्लेबाजी कर 56 रन बनाये थे। रहाणे ने कहा, हम 13वें ओवर तक अच्छा खेल रहे थे पर इसके बाद विकेट गिरने से हमारी टीम दबाव में आ गयी। उसके बाद बल्लेबाजों ने अपनी तरफ से प्रयास किये पर वे सफल नहीं हो पाए। शुरुआत में लगा कि 200-210 का स्कोर हासिल किया जा सकता है पर बीच में विकेट गिरने से हालात बदल गये। रहाणे ने आगे कहा, मैच में थोड़ी ओस थी पर विरोधी टीम आरसीबी ने पावरप्ले में अच्छा खेला जिससे उसे जीत मिली। साथ ही कहा कि अब हम इस मैच के बारे में बहुत ज्यादा नहीं सोचना चाहते पर कुछ क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगे। इस मैच में आरसीबी की ओर से विराट कोहली ने सबसे ज्यादा नाबाद 59 रन बनाये जबकि फिल सॉल्ट ने 56 और रजत पाटीदार ने 34 रन बनाये।

शार्दुल को मोहसिन के विकल्प के तौर पर शामिल करेगी लखनऊ सुपरजायंट्स

नई दिल्ली। भारतीय टीम से बाहर चले रहे ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर लखनऊ सुपरजायंट्स टीम के साथ विशाखापत्तनम पहुंचे हैं। इससे ये माना जा रहा है कि शार्दुल को सुपरजायंट्स की टीम चोटिल तेज गेंदबाज मोहसिन खान की जगह शामिल करेगी। शार्दुल को गत वर्ष हुई नीलामी में किसी ने नहीं खरी था पर टूर्नामेंट शुरू होते ही उन्हें सुपरजायंट्स का साथ मिला है। लखनऊ सुपरजायंट्स को आईपीएल 2025 में अपना पहला मैच 24 मार्च को दिल्ली कैपिटल्स से खेलना है। लखनऊ की टीम अपने तेज गेंदबाजों की चोट से परेशान है, ऐसे में वह अनुभवी शार्दुल को लेकर इस कमी को काफी हद तक पूरा करना चाहेगी। टीम के 4 तेज गेंदबाज मयंक यादव, आवेश खान, आकाश दीप और मोहसिन चोट के कारण टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों में नहीं खेलेंगे। मयंक, आकाश दीप और आवेश कुछ मैच बाद वापसी कर सकते हैं पर मोहसिन के खेलने की कोई संभावना नहीं है जिसको देखते हुए ही शार्दुल को टीम में जगह मिलना तय है। लखनऊ ने इस सत्र में जब से ट्रेनिंग कैंप लगाया था तब से ही शार्दुल को अपने साथ शामिल कर लिया था। इसका कारण है कि टीम ने शुरु से ही उन्हें अपनी योजना का हिस्सा बनाया था। शार्दुल की ही तरह शिवम मावी भी टीम के ट्रेनिंग कैंप में थे। ऐसे में वह भी किसी चोटिल गेंदबाज की जगह ले सकते हैं।

आईपीएल उद्घाटन समारोह में अभिनेत्री दिशा पाटनी अपने ड्रेस को लेकर ट्रॉल हुई

मुम्बई। आईपीएल के उद्घाटन समारोह में अभिनेत्री दिशा पाटनी अपनी ड्रेस को लेकर ट्रॉल हो रही हैं।

सोशल मीडिया पर लोग उनके पहनावे की आलोचना करते दिखे हैं। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में हुए इस समारोह में दिशा ने अपने कार्यक्रम से सभी का ध्यान खींचा पर उनकी ड्रेस पर लोगों ने सवाल उठाये हैं। दिशा की ड्रेस को लेकर सोशल मीडिया पर कई लोगों ने नाराजगी जतायी है। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने कहा कि इस प्रकार के ड्रेस की ड्रेस देखकर परिवार के साथ आये लोगों को असहज लगा। दिशा ने कार्यक्रम के दौरान आइवरी ब्रालेट और मैचिंग स्कर्ट पहनी हुई थी। कई लोगों ने कार्यक्रम की सराहना की पर कहा कि जिस प्रकार की ड्रेस पहनकर वह आयीं। इसकी अनुमति भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को नहीं देनी चाहिये थी। एक यूजर ने सोशल मीडिया में लिखा, 'बीसीसीआई ने ये जानते हुए कि ये सब परिवारों और बच्चे भी देखते हैं, फिर भी इस तरह की द्र ड्रेस के साथ कार्यक्रम की अनुमति कैसे दे दी जबकि दूसरे यूजर ने लिखा, 'ये हरकत खेल आयोजन के लिए सही नहीं कही जा सकती है।

आरोन फिंच ने कहा, कोहली हैं ना, इसलिए आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं रोहित

मुंबई

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान आरोन फिंच का मानना है कि टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के पास किसी भी युवा टी20 स्टार की तरह बेहतर स्ट्राइक-रेट से रन बनाने की कला है, लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम का कॉम्बिनेशन ऐसा है कि उन्हें बिना जोखिम के बड़ा स्कोर खड़ा करने पर ध्यान देना होगा। फिंच ने कहा कि रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ी लगातार अधिक जोखिम भरा क्रिकेट खेल रहे हैं। कोहली हालांकि 2023 में 140 और 2024 में 154.70 के स्ट्राइक रेट से 741 रन बनाकर धीमी बल्लेबाजी करने का मिथक तोड़ने में सफल साबित हुए हैं।

फिंच से पूछा गया कि क्या कोहली को आरसीबी को पूरा फायदा दिलाने के लिए अपने खेल में बदलाव करने की जरूरत है। इस पर पूर्व खिलाड़ी ने कहा, ''मेरा सवाल यह है कि आप कोहली से (आईपीएल) सत्र में 700 या 800 रन देखना चाहते हैं या आप उनसे 400 रन से खुश रहने वाले हैं, अगर आप कोहली से अधिक स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की उम्मीद करते हैं तब निरंतरता में कमी आयेगी। फिंच ने कहा, इसलिए मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई बहुत बड़ा बदलाव करने की जरूरत है। शायद यह गति को थोड़ा बदलने जैसा है। मुझे उससे बड़ी पारी की उम्मीद होगी। फिंच ने माना कि टीमों के पावरप्ले ओवरों को लेकर खेल में काफी बदलाव आया है, लेकिन हर बल्लेबाज की ताकत अलग है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ उन खिलाड़ियों के बारे में नहीं है जो मैदान पर उतरते ही पहली गेंद से 200 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करने की कोशिश करते है। मुझे लगता है कि एक ही टीम में सात बल्लेबाजों से ऐसा करने के लिए कहना अवास्तविक है। उन्होंने कहा, ''मुझे पता है कि पिछले दो सत्रों में खेल एक नए स्तर पर चला गया है। लेकिन आपको अभी भी मजबूत नींव तैयार करने की जरूरत होती है और आपको इसतरह के खिलाड़ी चाहिये जो पारी के अंत तक लगातार स्ट्राइक बदलने और बल्लेबाजी करने में सक्षम हो।''

भारत के वनडे और टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा का आईपीएल स्ट्राइक रेट भी कोहली की तरह ही है, लेकिन उन्होंने पिछले कुछ सालों से अधिक आक्रामक रवैये के साथ बल्लेबाजी की है। फिंच ने रोहित के मामले को कोहली से अलग बताकर कहा कि जब आप रोहित के प्रदर्शन को देखते हैं, तब उसके आस-पास मौजूद खिलाड़ियों पर नजर डालें। उसके पास एक ऐसा खिलाड़ी है जिसके आस-पास टीम बल्लेबाजी कर सकती है। इसके बाद उनके लिए शुरुआती ओवरों में ढेर सारे छक्के लगाना ठीक है। मुंबई इंडियंस की टीम में शीर्ष और मध्य क्रम में हार्दिक पंड्या, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा जैसे खिलाड़ी है। फिंच ने कहा कि रोहित भारत के लिए यह जोखिम उठा सकते है, क्योंकि टीम में उनके साथ कोहली भी है।

वॉर्नर एयर इंडिया पर भड़के

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेविड वॉर्नर ने एयर इंडिया की उड़ान में देरी पर नाराजगी जाहिर की है। वॉर्नर का कहना है कि उनको और यात्रियों को एक ऐसे विमान में बैठा दिया गया जिसमें कोई पायलट ही नहीं था जिसके कारण उन्हें कई घंटों तक इंतजार करना पड़ा। वार्नर ने सोशल मीडिया पर लिखा, हम बिना पायलट वाले विमान में सवार हुए और घंटों विमान में इंतजार करते रहे। साथ ही सवाल किया कि जब पायलट ही नहीं था तो विमान में क्यों चढ़ाया गया। इस पर एयर इंडिया ने ने स्पष्ट किया कि बेंगलुरु में खराब मौसम की वजह से इस क्षेत्र में उड़ने वाली सभी एयरलाइनों में देरी हुई। साथ ही लिखा, आपकी फ्लाइट का संचालन करने वाला चालक दल इन व्यवधानों से प्रभावित पहले के कारण रुका हुआ था जिसके कारण प्रस्थान में देरी हुई। हम आपके धैर्य और संयम को प्रशंसा करते करते हैं साथ ही हमारे विमान से उड़ान भरने के लिए आपके आभारी हैं।

वसीम जाफर ने ऑरेंज और पर्पल कैप को लेकर कर दी भविष्यवाणी

मुंबई

आईपीएल 2025 का आगाज होने को है, इसके पहले पूर्व क्रिकेटरों का टूर्नामेंट को लेकर भविष्यवाणी देने का सिलसिला जारी है। इस कड़ी में टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज और मौजूदा जानकार वसीम जाफर ने सबसे ज्यादा रन और सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी को लेकर अपनी भविष्यवाणी की है। जाफर ने इस बार ऑरेंज कैप के लिए साई सुदर्शन को, पर्पल कैप के लिए अर्शदीप सिंह को दावेदार बता दिया है। साई गुजरात जाएंट्स का हिस्सा हैं, वहीं अर्शदीप पंजाब किंग्स के लिए खेल रहे हैं। इस जोड़ी की भिड़ंत 25 मार्च को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगी।

गुजरात टाइटंस ने 2024 सीजन के बाद साई सुदर्शन को 8.50 करोड़ रुपये में रिटेन किया। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने बीते सीजन शानदार प्रदर्शन कर 12 पारियों में 47.91 की औसत और 141.29 की स्ट्राइक रेट से 527 रन बनाए थे। वे जीटी के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले और कुल मिलाकर छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे।

इन दो खिलाड़ियों के नाम बताए

वहीं अर्शदीप ने भी 2024 सीजन के दौरान अपना बेहतर प्रदर्शन किया था। उन्होंने 14 पारियों में 26.58 की औसत और 10.03 की इकॉनमी रेट से 19 विकेट झटके थे। हालांकि उन्हें सीजन के बाद पीबीकेएस द्वारा रिटेन नहीं किया गया, लेकिन फ्रैंचाइजी ने उन्हें राइट-टू-मैच कार्ड के जरिए 18 करोड़ रुपये में आईपीएल 2025 मेगा नीलामी में अपने स्क्वॉड में फिर शामिल किया। पिछले दो सीजन में ऑरेंज कैप और पर्पल कैप भारतीय खिलाड़ियों ने जीती हैं। 2024 में विराट कोहली और हर्षल पटेल क्रमश: सबसे ज्यादा रन और विकेट लेने वाले खिलाड़ी रहे, जबकि 2023 में शुभमन गिल और मोहम्मद शमी ने इस पहना था। जोस बटलर (2022) और कैगिसो रबाडा (2020) क्रमश: ऑरेंज कैप और पर्पल कैप जीतने वाले अंतिम विदेशी खिलाड़ी थे।

नमिता और मुन्ना बने मोतीलाल नेहरू कॉलेज (सांध्य) के सर्वश्रेष्ठ एथलीट

दिल्ली के मोतीलाल नेहरू कॉलेज (सांध्य) ने वार्षिक खेल दिवस मनाकर अपने गौरवशाली खेल इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ा। खेल दिवस का समापन मुन्ना कुमार को छात्र वर्ग में सर्वश्रेष्ठ एथलीट और नमिता भाखला को छात्रा वर्ग में सर्वश्रेष्ठ एथलीट घोषित करने के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन ऑफ कॉलेजेस प्रोफेसर बलराम पाणि, भारतीय महिला कबड्डी टीम की पूर्व कोच द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता पद्मश्री डॉ. सुनील डबास और भारतीय महिला हॉकी टीम के पूर्व कोच द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता नरेंद्र सिंह सैनी मौजूद थे। वार्षिक खेल दिवस का समापन मोतीलाल नेहरू कॉलेज (सांध्य) के प्राचार्य प्रोफेसर संदीप गर्ग के समापन भाषण के साथ हुआ।

जूही ने बदलवाया था केकेआर की जर्सी का रंग

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले ही मैच में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को रॉयल चैलेंसर्स (आरसीबी) के हाथों हाथों हार का सामना करना पड़ा है। केकेआर की जर्सी में अब तक काफी बदलाव आये हैं और इसका कारण इसकी सहमालिकन जूही चावला रही हैं। केकेआर की जर्सी शुरुआत में काले रंग की थी पर जूही का मानना था कि ये मनहूस थी। इसी कके कारण उन्होंने इसे बदलने को कहा था। एक वीडियो में बताया या है कि कैसे जूही के अंधविश्वासी होने के चलते टीम की जर्सी का रंग बदलना पड़ा था। जूही कहती हैं कि दक्षिण अफ्रीका में लगातार हार के बाद जब वो टीम के साथ वापस लौटीं तो उनका मानना था कि काले रंग की जर्सी के कारण ही टीम हार रही है। इस वीडियो में जूही के पति जय मेहता कहते हैं कि जब जूही ने उन्हें अपने अंधविश्वास के बारे में बताया तो शुरुआत में किसी ने उनकी बात नहीं मानी। उन्हें लगा कि वो हार की वजह से कुछ भी कह रही हैं और ये सब बेकार की बातें हैं। वहीं वीडियो में जूही कहती हैं कि वो शुरुआत से ही केकेआर में काली जर्सी नहीं चाहती थीं। इस अभिनेत्र ने कहा, 'मुझे काले रंग से कुछ तो दिक्कत थी। मुझे लगता था कि ये रंग टीम के उत्साह को नहीं बढ़ा रहा। जब हम लगातार हार के वापस आए तो मुझे लगा कि बस अब बहुत हो गया अब हमें जर्सी का रंग बदलना होगा।' इसी के बाद जर्सी का रंग काले से बदलकर पर्पल रखा गया जूही का अंदाजा सही निकला। जर्सी का रंग बदलते ही टीम जीतने लगी। टीम की पहली जर्सी का काला रंग सहमालिक शाहरुख खान ने तय किया था।

बीसीसीआई ने दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के साथ सीरीज के लिए कार्यक्रम घोषित किया

कोलकाता

भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस साल वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए कार्यक्रम जारी कर दिया है। भारतीय टीम अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज खेलेगी। इसका पहला टेस्ट पंजाब के मोहाली में जबकि दूसरा टेस्ट कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा। वहीं इसके बाद नवंबर में अपनी ही धरती पर टीम दो टेस्ट और तीन एकदिवसीय मैच जबकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच टी20 मैच खेलेगी।

भारत और दक्षिया अफ्रीका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला दिल्ली में जबकि दूसरा टेस्ट गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में होगा। गुवाहाटी मैदान पर पहली बार कोई टेस्ट मैच खेला जाएगा। भारत-दक्षिण अफ्रीका के बीच गुवाहाटी टेस्ट मैच 22-26 नवंबर में खेला जाएगा।

वहीं भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच एकदिवसीय सीरीज का पहला मुकाबला 30 नवंबर को रांची में जबकि दूसरा एकदिवसीय 3 दिसंबर को रायपुर और तीसरा एकदिवसीय 6 दिसंबर को विशाखापत्तम में होगा।

न्यूजीलैंड के हेनरी पाक के खिलाफ बचे हुए दो टी20 मैचों से भी बाहर हुए

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी चोटिल होने के कारण पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले शेष दो टी20 मैचों से बाहर हो गये हैं। हेननी को ये चोट आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में लगी थी जिससे वह अभी तक नहीं उबर पाये हैं। हेनरी के बाहर होने से पाक को राहत मिली है। मेजबान कीवी टीम अभी तक इस सीरीज में 2-1 से आगे है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि हैनरी के बाहर होने से तेज गेंदबाज जैक फाउल्क्स को अंतिम दो मैचों के लिए टीम में बरकरार रखा जाएगा। उन्हें पहले तीन मैचों के लिए कवर के तौर पर रखा था। वहीं विल ओरूर्के को काइल जैमीसन की जगह अंतिम दो मैचों के लिए टीम में रखा गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा, कैंटरबरी के 22 साल के तेज गेंदबाज फाउल्क्स अंतिम दो मैचों के लिए टीम के साथ बने रहेंगे, वह पहले तीन मैचों के लिए कवर के तौर पर टीम में रखे गये थे। वहीं जैमीसन की जगह विल ओरूर्के को टीम में शामिल किया गया है। विल ओरूर्के पहले तीन मैचों के लिए टीम में थे। न्यूजीलैंड टीम अभी इस सीरीज में 2-1 से आगे है।

डिप्रेशन से डरें नहीं

जिंदगी हमें तरह-तरह के रंग दिखाती है। इसमें हमें कभी खुशियों की सौगात मिलती है, तो कभी दुख का अहसास भी होता है। कई बार हमारे जीवन का दुख काफी लंबा हो जाता है जो, डिप्रेशन यानी अवसाद का कारण बन सकता है। यह जीवन पर पडने वाला ऐसा काला साया है, जिससे जीवन के प्रति रुचि खत्म होने लगती है और दिन-प्रतिदिन के कामकाज से भी मन उचट जाता है, लेकिन अब इस मनोरोग से छुटकारा संभव है... डिप्रेशन के कई कारण हो सकते हैं। किसी व्यक्ति के निजी जीवन से जुड़ी कई बातें भी डिप्रेशन केलिए जिम्मेदार होती हैं। जैसे हमारे जीवन में आने वाले महत्वपूर्ण पड़ाव जिसमें किसी प्रियजन का बिछडना, नौकरी का छूट जाना, विवाह संबंधों में टूटन, शिक्षा के क्षेत्र में असफलता और इस तरह की अन्य समस्याएं अवसाद का कारण बनती हैं। इसके अलावा जीवन के प्रति नकारात्मक सोच रखने वाले लोग अवसाद या डिप्रेशन से कहीं ज्यादा ग्रस्त होते हैं। जैसे वे सोचते हैं कि मैं सफल नहीं होऊंगा, इसलिए यह कार्य नहीं कर सकता या फिर कई लोगों के मन में हमेशा कुछ न कुछ अनहोनी का डर बना रहता है जिससे उनके अवसाद में जाने का खतरा बना रहता है। कुछ समस्याएं ऐसी हैं, जिनके कारण व्यक्ति अवसाद में जा सकता है। जैसे थायराइड से संबंधित बीमारियां, विटामिन डी की कमी और पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक समस्याएं आदि। कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट्स के कारण भी व्यक्ति डिप्रेशन की स्थिति में पहुंच सकता है।

उदासी या एकाकीपन

अगर व्यक्ति डिप्रेशन या अवसाद से ग्रस्त है, तो उसका किसी काम या विषय में मन नहीं लगता। हालांकि सामान्य उदासी अवसादग्रस्त उदासी से बिल्कुल भिन्न है। अवसादग्रस्त व्यक्ति की विभिन्न वस्तुओं या विषयों से रुचि खत्म हो जाती है, उसे खुशी या गम का अहसास नहीं होता। वह अपनी ही दुनिया में खोया रहता है।

नकारात्मक रवैया: किसी भी तरह की सकारात्मक सोच पर ये लोग ध्यान नहीं देते। ऐसे व्यक्ति पर नकारात्मक सोच हावी रहती है।

शारीरिक अस्थिरता

अगर व्यक्ति अवसादग्रस्त है, तो उसे या तो अत्यधिक नींद आती है या फिर नींद कम आती है। कई बार आधी रात को ही नींद खुल जाती है। अवसादग्रस्त व्यक्ति को भूख कम लगती है और उसका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है। अवसाद आनुवांशिक कारणों से भी संभव है। अवसाद किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकता है। अवसाद के भी विभिन्न स्तर हैं, जो इस प्रकार हैं- मेजर, क्रॉनिक, मैनिएक और अन्य प्रकार के अवसाद।

मेजर डिप्रेशन

एक गंभीर समस्या डिप्रेशन का सबसे सामान्य रूप है- मेजर डिप्रेशन। इसके कुछ लक्षण इस प्रकार हैं...

- पीड़ित व्यक्ति अत्यधिक दुख, हताशा, ऊर्जा की कमी और चिड़चिड़ापन महसूस करता है।
- किसी काम में ध्यान न लगना। नींद और खाने की आदतों में परिवर्तन।
- शारीरिक दर्द और आत्महत्या जैसे विचारों का अहसास।

इलाज: मेजर डिप्रेशन से पीड़ित व्यक्ति कम से कम दो हफ्ते से ज्यादा समय तक अगर उपर्युक्त लक्षणों से ग्रस्त हैं, तो उसके परिजनों को मनोचिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। अच्छी बात यह है कि मेजर डिप्रेशन की चपेट में आने वाले 80 से 90 प्रतिशत व्यक्ति उचित इलाज

से ठीक हो जाते हैं। इलाज के अंतर्गत दवाएं और मरीज के साथ ही उसके परिजनों की काउंसलिंग की जाती है। इसके अलावा पीड़ित व्यक्ति को कॉग्निटिव बिहेवियर थेरेपी (मरीज के सोचने के ढंग को बदलने के लिए प्रेरित करना) भी दी जाती है।

बाइपोलर डिसऑर्डर

बाइपोलर डिसऑर्डर को मैनिएक डिप्रेशन भी कहा जाता है, जो मानसिक चंचलता और मानसिक दिक्कतों का कारण बनता है। जब व्यक्ति अवसादग्रस्त होता है, तब वह दुखी या हताश महसूस करता है और किसी भी क्रियाकलाप के प्रति दिलचस्पी खो देता है, लेकिन जब उसका मूड दूसरी दिशा में शिफ्ट होता है, तब वह ऊर्जा से भरपूर और उल्लासमय नजर आता है। मूड का इस तरह बदलना जीवन में कई बार हो सकता है। कुछ लोगों में यह बीमारी गंभीर रूप ले लेती है। **इलाज:** विशेषज्ञ की सलाह पर ट्रीटमेंट लेना आवश्यक है। ज्यादातर मामलों में बाइपोलर डिसऑर्डर को दवाओं और काउंसलिंग के जरिएनियंत्रित किया जा सकता है।

अल्जाइमर से भूली बातें वापस आ सकती हैं याद

अल्जाइमर के कारण लोग बातें भूल जाते हैं। उन्हें याद दिलाना जटिल काम है। लेकिन नोबेल पुरस्कार से सम्मानित सुसुमु तोनेगावा ने अपने नए शोध के आधार पर पाया है कि दिमाग के एक खास हिस्से में नीली रोशनी डालने से याददाश्त वापस लाई जा सकती है। जापानी वैज्ञानिक सुसुमु को जेनेटिक मैकेनिज्म में उनकी खोज के लिए 1987 में मेडिसिन में नोबेल पुरस्कार मिला था। वे बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं। वे मोल्येकुलर (आणविक) जीवविज्ञानी हैं। लेकिन उन्हें इम्यूनोलॉजी (रोगक्षमता विज्ञान) में काम के लिए नोबेल पुरस्कार मिला। अब वे न्यूरोसाइंस (तंत्रिका विज्ञान) के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। सुसुमु की टीम ने अभी चूहे तक ही प्रयोग किया है और वे सफल रहे हैं। उनका कहना है कि याददाश्त के मामले में चूहे और आदमी में एक समान चीजें पाई जाती हैं इसलिए यह संभावना बनी है। अल्जाइमर के शुरुआती स्टेज में तो इसकी संभावना ज्यादा है कि याददाश्त वापस लाई जाए। इस प्रयोग के बारे में 'नेचर' जर्नल में इस टीम का लेख छपा है।

कैसे किया

इसके लिए चूहे में जेनेटिक बदलाव लाया गया ताकि उसके दिमाग में उस तरह की स्थिति लाई जा सके जो अल्जाइमर की शुरुआत में होती हैं। ऐसे कई चूहों को एक बक्से में रखा गया जिसके पेंदे में काफी कम स्तर का बिजली का करेंट दिया गया। यह उनके लिए असुविधाजनक तो था लेकिन खतरनाक नहीं था। इसका मकसद उनके पैरों को शॉक ट्रीटमेंट देना था। थोड़े दिनों बाद दिमाग की स्कैनिंग से लगा कि वे कुछ बातें भूल गए हो सकते हैं। फिर, उन चूहों के सिर के एक खास हिस्से को लेजर से नीली रोशनी डालकर उत्तेजित किया गया। इस हिस्से को 'एनग्राम सेल्स' कहते हैं। इससे उन्हें उस शॉक की याद आने लगी।

क्या संभावनाएं हैं

सामान्य चूहे पर भी इसी तरह के प्रयोग किए गए। इसका मकसद यह देखना था कि उनके दिमाग पर वही असर होता है या वे सामान्य तरीके से व्यवहार करते हैं। सामान्य तरीके का व्यवहार पाए जाने के बाद यह पाया गया कि अल्जाइमर का इस तरह इलाज किया जाना संभव है। चूंकि इसमें ऑप्टिकल (प्रकाशीय) तरीके का इस्तेमाल किया जा रहा है इसलिए इसे ऑप्टोजेनेटिक्स नाम दिया गया है। आने वाले दिनों में इस तरह के प्रयोग लोगों पर भी किए जाएंगे।

चेहरे के अनचाहे बालों से ऐसे पाएं छुटकारा

चेहरे के अनचाहे बाल खूबसूरती में दाग की तरह होते हैं, इनके कारण आपको परेशानी हो सकती है। चेहरे के इन बालों को हटाने के लिए आप कई कोशिशें करते हैं लेकिन फिर से ये बाल आपके चेहरे पर उग जाते हैं। अनचाहे बाल किसी शारीरिक कमी के कारण नहीं बल्कि हार्मोंस असंतुलन के कारण आते हैं। अगर आपके चेहरे पर भी अनचाहे बाल हैं तो इसके लिए परेशान होने की जरूरत नहीं है, बल्कि कुछ आसान तरीकों को आजमाकर आप इन से आसानी से छुटकारा पा सकते हैं।

वैक्सिंग के जरिए

यह चेहरे के अनचाहे बालों को हटाने का बहुत ही आसान तरीका है, इसका प्रयोग आसानी से किया जा सकता है। वैक्सिंग के द्वारा चेहरे के किसी भी हिस्से में मौजूद बालों को हटाया जा सकता है। इससे अनचाहे बाल पूरी तरह साफ हो जाते हैं और आपके चेहरे की त्वचा मुलायम हो जाती है। चेहरे के बाल हटाने के लिए कटोरी वैक्सिंग की जाती है। वैक्सिंग के बाद बाल लंबे समय तक दोबारा नहीं आते, क्योंकि यह चेहरे की त्वचा के अंदर जड़ों से बालों को निकालता है।

ब्लीचिंग के द्वारा

अगर आपके चेहरे और कनपटियों के आसपास हल्के-हल्के रोएं दिखाई देते हैं तो उन्हें छिपाने के लिए ब्लीचिंग कर सकती हैं। लेकिन ब्लीचिंग करने से पहले अपनी त्वचा के प्रकार को ध्यान में रखें, यह भी देख लीजिए कि क्या यह आपकी त्वचा को सूट भी कर रहा है या नहीं। इसके लिए तैयार की हुई ब्लीच को अपनी हथेली पर लगाकर देखिए, इसके बाद ही इसका प्रयोग करें। ब्लीचिंग करने से पहले एक बात और ध्यान रखें यह रोएं हटाने का स्थाई उपचार नहीं है बल्कि यह तरीका आपको समय-समय पर दोहराना पड़ेगा।

थ्रेडिंग और ट्वीजिंग से

चेहरे के अनचाहे बालों को हटाने के लिए थ्रेडिंग और ट्वीजिंग का प्रयोग कीजिए। चेहरे के अनचाहे बाल ज्यादातर अनचाहे बाल ठोड़ी, होंठों के उपर और कपोल पर ही होते हैं। थ्रेडिंग के जरिए चेहरे के अनचाहे बालों से छुटकारा मिल सकता है। ये भी यह वैक्सिंग की तरह अनचाहे बालों को बढ़ने से रोकती है। आईब्रो को सही

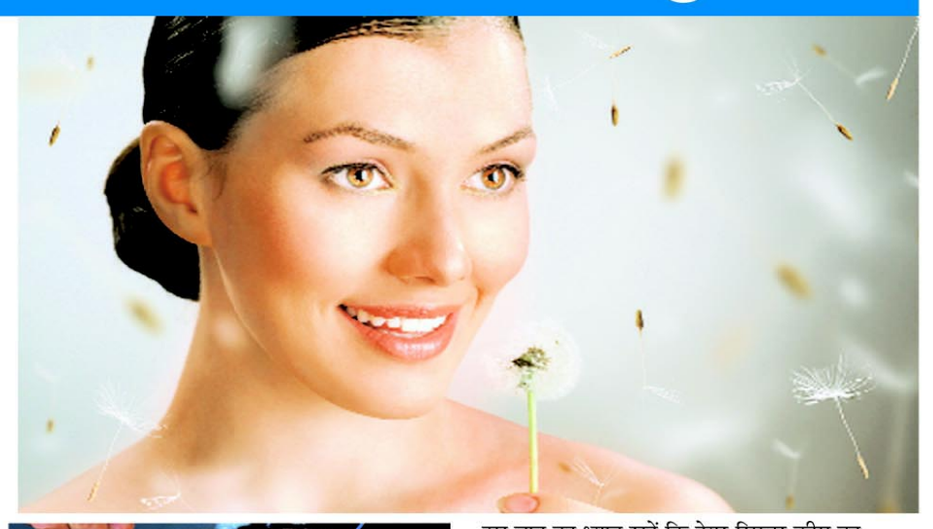

आकार देने के लिए भी थ्रेडिंग की जाती है। इन बालों को कैंची से नहीं काटना चाहिए क्योंकि यह स्थाई उपचार नहीं हैं। ठोड़ी पर आए अनचाहे बालों को आप प्लकिंग करके भी निकाल सकते हैं, इसके लिए आइब्रो-ट्वीजर चिमटी का प्रयोग बेहतर माना जाता है।

हेयर रिमूविंग क्रीम

चेहरे के बालों को हटाने के लिए हेयर रिमूवर क्रीम का प्रयोग कीजिए। इससे अनचाहे बालों को हटाने में कोई दर्द नहीं होता और न ही ज्यादा समय लगता है। लेकिन इसका प्रयोग करने का सबसे ज्यादा नुकसान यह है कि इससे अनचाहे बाल दोबारा जल्दी उग आते हैं। साथ ही इस बात का ध्यान रखें कि हेयर रिमूवर क्रीम का इस्तेमाल कभी भी अपने चेहरे पर न करें।

इलेक्ट्रोलिसिस

होंठों के ऊपर आने वाले बालों के लिए प्लकिंग न करते हुए इलेक्ट्रोलिसिस का प्रयोग अच्छा माना जाता है। हालांकि इस तकनीक से आप शरीर के अन्य हिस्सों के बाल भी हटा सकते हैं। इलेक्ट्रोलिसिस के दौरान बिजली के हल्के करंट का प्रयोग किया जाता हैं। लेकिन इस तकनीक के प्रयोग के लिए आपको कुछ हफ्तों तक इसका प्रयोग करना आवश्यक है तभी आप स्थाई रूप से अनचाहे बालों से मुक्ति मिल सकती है।

लेजर तकनीक

लेजर से चेहरे के अनचाहे बालों को स्थाई रूप से हटाया जा सकता है क्योंकि लेजर से बालों को हमेशा के लिए जड़ से खत्म किया जाता है। लेजर की किरणों को बालों की जड़ पर केंद्रित किया जाता है, जिससे बाल हमेंशा के लिए नष्ट हो जाते हैं। इसमें लगभग सात से 8 सिटिंग्स लगती हैं।

इसके अलावा चेहरे के बालों को हटाने के लिए आप घरेलू नुस्खों का प्रयोग कर सकते हैं। लेकिन कोई भी तरीका आजमाने से पहले अपने चेहरे की संवेदनशीलता को जरूर मापें। अगर किसी प्रकार की समस्या हो तो त्वचा रोग विशेषज्ञ से सलाह लें।

बौनेपन का इलाज संभव

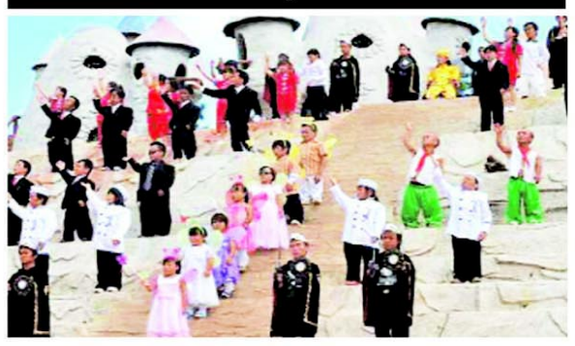

बौनापन भी अब लाइलाज नहीं रहा। ग्रोथ हार्मोन इंजेक्शन लगाकर इसका ट्रीटमेंट संभव है... जब लंबाई 147 सेमी. से कम हो तो उसे बौना व्यक्ति कहा जाता है। लेकिन हर बौने व्यक्ति के शरीर के लक्षण एक-दूसरे से भिन्न होते हैं। बौने व्यक्ति के शरीर के सभी भागों की लंबाई, असंगत (डिस्प्रपोशनेट) होती है, हाथ लंबे होते हैं, पैर छोटे होते, पैर बड़े हो तो हाथ छोटे होते हैं। पेट व छाती की बनावट भिन्न होती है। इस तरह की बनावट में शरीर के अंगों में सामंजस्यता नहीं पाई जाती है। संगत (प्रपोशनेट) बौनापन में शरीर के सभी अंग सामान्य से छोटे होते हैं।

बौनेपन के प्रकार

शरीर के अंगों की लम्बाई व बनावट के आधार पर इनका वर्गीकरण निम्न वर्गों में किया गया है।

- **रोजोमेलिक:** इस तरह के बौने व्यक्तियों में बाजू और जांघ बहुत छोटे होते हैं। बाकी शरीर सामान्य होता है।
- **मिजोमेलिक:** इनमें बाजू के अग्र भाग और पैरों की लम्बाई सामान्य से बहुत कम होती है। बाकी शरीर सामान्य होता है।
- **एक्रोमेलिक:** जब पैर व हाथ दोनों ही बहुत ज्यादा छोटे होते हैं बाकि शरीर की लम्बाई सामान्य होती है।
- **माइक्रोमेलिक:** जब हाथ व पैरों की लम्बाई सामान्य से बहुत कम होती है।

कारण: शरीर से जुड़ी 300 तरह की बीमारियों में से कोई एक बौनेपन का कारण होती है लेकिन इससे ग्रसित 70 प्रतिशत व्यक्तियों में बौनेपन की वजह पीयूष ग्रंथि द्वारा स्त्रावित ग्रोथ हार्मोन का न बनना होता है। दूसरा मुख्य कारण जिसे एकोण्ड्रोप्लेजिया कहते हैं इसमें शरीर के जोड़ों में असमानता व लचीलापन होता है। यह समस्या आनुवांशिक होती है। इसमें एफजीएफआर-3 नामक जीन में बदलाव से हड्डियों की वृद्धि नहीं होने के कारण बौनापन हो जाता है।

उपचार: एक साल की उम्र तक बच्चे का उचित विकास न हो तो माता-पिता को एंडोक्रायोनोलॉजिस्ट या न्यूरोसर्जन से संपर्क करें। विशेषज्ञ बच्चे को तीन साल तक ऑब्जर्वेशन में रखने के बाद बौनेपन के बारे में निर्णय लेते हैं। 5-7 साल की उम्र में ग्रोथ हार्मोन इंजेक्शन लगाए जाते हैं। हर तीन माह में रक्त जांच करके हार्मोंस वृद्धि का पता लगाया जाता है। यदि नतीजे पॉजिटिव होते हैं तो दोबारा इंजेक्शन लगाया जाता है। यह प्रक्रिया 13-15 साल की उम्र तक चलती है। रक्त में ग्रोथ हार्मोन की सामान्य मात्रा औसतन 4-17 माइक्रोमिलिलीटर होनी चाहिए। यदि इस हार्मोन की कमी होती है तो विशेषज्ञ की देखरेख में समय-समय पर ग्रोथ हार्मोन के इंजेक्शन देकर खून में इसके स्तर को सामान्य रखने का प्रयास किया जाता है।

निदान व जांच बौनेपन की पहचान बाल्यावस्था में बच्चे के विकास की गति और लक्षणों से की जा सकती है। जब बच्चे की लम्बाई उम्र के अनुसार न होकर बहुत ही धीमी गति से हो तो यह भी बौनेपन का एक लक्षण हो सकता है। वर्तमान में विभिन्न जांचों में मुख्य रूप से खून में ग्रोथ हार्मोन के स्तर की जांच प्रारंभिक अवस्था में करने पर यह तय किया जा सकता है कि कहीं इसकी कमी के कारण बच्चा भविष्य में बौनेपन का शिकार तो नहीं हो जाएगा? यदि रक्त में इसका स्तर सामान्य पाया जाए और यदि बच्चे में वंशानुगत जांच एफजीएफआर-3 जीन में त्रुटि पाई जाए तो बाल्यावस्था में ही बौनेपन की बीमारी को पहचाना जा सकता है। बच्चे के शरीर के सभी जोड़ों के एक्स-रे व एमआरआई से प्रारम्भिक अवस्था में ही बौनेपन की पहचान की जा सकती है। यदि बच्चे की लम्बाई कम है और जांच में कोई बीमारी न मिले तो उसे बौनापन नहीं कहकर छोटे कद का व्यक्ति कहा जाता है।

दूर होगी अनिद्रा की शिकायत

एक बार अकबर ने बीरबल से पूछा कि इस दुनिया में सबसे प्यारी चीज क्या है? बीरबल ने जवाब दिया- नींद। जीने के लिए खाना जितना जरूरी है उतनी ही नींद भी। रिसर्च के अनुसार इंसान 12-15 दिन तक बिना खाये रह सकता है लेकिन बिना सोए छः दिन से ज्यादा नहीं रह सकता। तो ऐसे में नींद की जरूरत को समझा जा सकता है। शहरीकरण का सबसे ज्यादा नुकसान इंसान को अपनी नींद खोकर चुकाना पड़ा है। आज अधिक से अधिक शारीरिक और मानसिक मेहनत कर लेने के बावजूद अनिद्रा की समस्या के मामले बढ़ रहे हैं।

इनसोमनिया डिसऑर्डर: इंसान में कई तरह के स्लीपिंग डिसऑर्डर पाए जाते हैं। उनमें इनसोमनिया डिसऑर्डर सबसे ज्यादा होने वाली बीमारी है। इस बीमारी में मरीज रात को बिस्तर में लेटने के बाद भी जगे रहता है। पूरी कोशिश के बाद भी मरीज को नींद नहीं आती और वह बिस्तर पर लेटकर करवटें बदलता रहता है। विशेषज्ञों के अनुसार 18 से 40 वर्ष तक के आयु वाले हर इंसान को 6 घंटे की नींद जरूरी होती है। लेकिन आज देर रात तक जागकर काम करने को लोगों ने क्रिएटिविटी का नाम दिया है। रात तक जागकर काम करने से एक समय के बाद अनिद्रा की शिकायत होना आम समस्या बन जाती है। ऐसे में एक समय के बाद रात को नींद नहीं आती।

4-7-8 ब्रीथिंग ट्रिक: गीता पिछले कई दिनों से रातों को सो नहीं पा रही थी। उसने जब एक सप्ताह रातों को करवटें बदलकर काटे तो उसने विशेषज्ञ से परामर्श लेने के बारे में सोचा। गीता ने जब अपने फैमिली डॉक्टर से इस समस्या के बारे में बताया तो उन्होंने गीता को 4-7-8 ब्रीथिंग ट्रिक की सलाह दी। सबसे आश्चर्य की बात है की ये ट्रिक गीता के लिए फायदेमंद साबित हुई।

ये ट्रिक है क्या?: इस ट्रिक की खोज हार्वर्ड से पढ़े डॉ एंड्रयू वेल ने की, जिन्होंने मेडिटेशन, ब्रिथिंग और तनाव मुक्त करने पर स्टडी की है। यह ट्रिक करने में काफी आसान है और इसे करने में मुश्किल से एक मिनट से भी कम समय लगता है। नाक से चार सकेंड तक के लिए सांस लें, सात सकेंड तक इसे रोक कर रखें, और आठ सकेंड तक इसे छोड़ते रहें। इससे हार्टबीट स्लो होती है और ब्रेन में एक केमीकल रीलिज होता है जिससे हमें आराम मिलता है। जब हम तनाव में होते हैं तो एंडोक्राइन सिस्टम एड्रेनल ग्लैंड से एड्रेनालाइन रीलिज करता है। इससे हार्टबीट बढ़ती है और शरीर में तनाव पैदा होता है। इस ब्रीथिंग ट्रिक के जरिये जो केमीकल रीलिज होता है वो एड्रेनालाइन का काउंटरएक्ट होता है जो हार्टबीट को धीरे करता है। शुरुआत में ये ट्रिक थोड़ी अनकम्फर्टेबल लगती है। लेकिन लगातार उपयोग से आपके शरीर और दिमाग दोनों को आराम मिलता है।

इस तकनीक को आजमाने के बाद भी अगर आपकी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है तो चिकित्सक से परामर्श अवश्य लें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**